दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 245 | ग्वालियर शुक्रवार 11 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

मुख्यमंत्री चौहान ने केन्द्रीय मंत्री तोमर व राज्यसभा सांसद सिंधिया के साथ मेहगाँव में किया लगभग 206 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

प्रदेश सरकार नौजवानों को नौकरी देने के साथ रोजगार के अन्य अवसर भी खोलेगी : मुख्यमंत्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम नौजवानों को सरकारी नौकरी देने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी खोलेंगे। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार ने पुलिस में भर्ती शुरू करने का फैसला किया है। साथ ही चंबल एक्सप्रेस-वे जैसी वृहद योजनाओं को गति दी है, जिससे चंबल क्षेत्र का चहुँमुखी विकास होगा। साथ ही यहाँ के युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज भिण्ड जिले के मेहगाँव में आयोजित हुए विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ लगभग 206 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मेहगाँव के कृषि उपज मंडी प्रांगण में गुरूवार को आयोजित हुए इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भिण्ड व मुरैना जिले के नौजवान अब सैन्य बलों में केवल सिपाही ही नहीं, अफसर भी बनेंगे। इसके लिये भिण्ड जिले में सैन्य स्कूल खुलने जा रहा है। इस सैन्य स्कूल में पढ़ने के बाद भिण्ड के नौजवान सेना में बड़े अफसर बनकर दुश्मन को करारा जवाब देंगे और भारत माता का मस्तक ऊँचा करेंगे। खासतौर पर मेहगाँव व गोहद क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिये आज हमने 160 करोड़ रूपए लागत की वृहद सिंचाई परियोजना की सौगात दी है। इस परियोजना के मूर्तरूप लेने के बाद कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार हर गरीब को ढूंढ-ढूंढ़कर खाद्यान्न पर्चियाँ देगी और उन्हें एक रूपए प्रतिकिलो की दर से राशन मुहैया करायेगी। इसके

लिये आगामी 16 सितम्बर को महाअभियान शुरू होगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि मेहगाँव सहित भिण्ड जिले में कोई भी गरीब पात्रता पर्ची से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्जमाफी पर भी किसानों को न्याय देगी। साथ ही सरकार ने किसान व गरीबों के कल्याण के लिये बनी संबल योजना को फिर से चालू करने का फैसला भी लिया है। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की उच्च शिक्षा में मदद के लिये पूर्व में शुरू की गईं योजनायें भी सरकार ने चालू कर दी हैं। सरकार गरीबों के बच्चों की आईआईटी, आईआईएम व मेडीकल इत्यादि संस्थानों की फीस भरेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा लॉकडाउन की वजह से कठिनाई में आए पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर) के कल्याण की दिशा में सरकार ने कारगर कदम उठाए हैं। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से प्रदेश में अब तक एक लाख 8 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर को फिर से व्यवसाय शुरू करने के लिये 10 ङ्क 10 हजार रूपए की आर्थिक मदद दिलाई गई है। श्री चौहान ने कहा प्रदेश सरकार ने बढ़े हुए बिजली बिलों पर रोक लगाई है। सरकार ने अगस्त तक के बिजली बिल स्थगित कर दिए हैं। अब उपभोक्ताओं को केवल सितम्बर माह का बिल ही अदा करना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेहगाँव विधानसभा क्षेत्र के रौन, अमायन व गोरमी क्षेत्र में विकास के लिये धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। इस क्षेत्र के गाँव-गाँव में सड़कों के विस्तार सहित अन्य विकास कार्य अब तेजी से मूर्तरूप लेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा खुशी की बात है कि रतनगढ़ के समीप प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में मंजूर किए गए साढ़े तीन करोड़ रूपए के सिंचाई बांध का काम सरकार द्वारा शुरू किया जा रहा है। साथ ही वृहद सिंचाई परियोजना भी मंजूर कर दी है। इस बांध व सिंचाई परियोजना से मेहगाँव, गोहद व अटेर क्षेत्र के किसान खुशहाल होंगे। बेहतर सिंचाई सुविधा मिल जाने से यहाँ के किसान पंजाब का मुकाबला करने में पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने चंबल एक्सप्रेस-वे को गति देने की पहल कर चंबल अंचल को खुशहाली का नया पैगाम दिया है। श्री तोमर ने कहा कि 8 हजार करोड़ रूपए लागत के चंबल एक्सप्रेस-वे के मूर्तरूप लेने के बाद इस क्षेत्र की तस्वीर व तकदीर दोनों बदलेंगी। उन्होंने कहा भिण्ड की धरती पर खुलने जा रहा सैनिक स्कूल भी विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश सरकार के मुखिया श्री शिवराज सिंह चौहान एक सच्चे जनसेवक हैं। जिसका फायदा प्रदेश की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी सौगातें देकर मेहगाँव क्षेत्र के विकास के लिये नए दरवाजे खोले हैं। मुख्यमंत्री ने सड़कों के साथ-साथ कृषि के क्षेत्र में भी वृहद सिंचाई परियोजना के रूप में बड़ी सौगात इस क्षेत्र को दी है। श्री सिंधिया ने कहा कि आजादी के 70 साल बाद मेहगाँव विधानसभा क्षेत्र को मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल पर एक मंत्री मिला है। उन्होंने नौजवान, कर्मठ एवं लगनशील जनप्रतिनिधि श्री ओ पी एस भदौरिया को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है। श्री भदौरिया और हम सब मिलकर मेहगाँव के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने कोविड-19 के खिलाफ भी पूरी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी है। प्रदेश के अस्पतालों में कोविड-19 के इलाज के लिये बेहतर से बेहतर अधोसंरचना जुटाने का काम सरकार ने किया है।

कोरोना देश में:संक्रमितों की संख्या 45 लाख के पार, अब तक करीब 35 लाख लोग रिकवर भी हुए

नई दिल्ली। पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन का ट्रायल रोक दिया है। ब्रिटेन में ट्रायल रुकने के बाद ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने बुधवार को पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट से ट्रायल न रोकने की वजह पूछी और कारण बताओ नोटिस

जारी किया था। दरअसल, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और लंदन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका कोरोना वैक्सीन बना रही हैं। इसका ट्रायल भारत समेत कई देशों में चल रहा है। दो दिन पहले एक व्यक्ति के बीमार होने की वजह ब्रिटेन में उन्होंने अपने ट्रायल को रोक दिया। यह व्यक्ति इस ट्रायल में शामिल था। सीरम इंस्टीट्यूट ने कहा, हम स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और एस्ट्राजेनेका के ट्रायल शुरू करने तक भारत में ट्रायल रोक रहे हैं। हम ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। उधर, देश में देश में कोरोना मरीजों की संख्या 45 लाख 14 हजार 649 हो गई है। ये आंकड़े covidv-india.org के मुताबिक हैं। बुधवार को 24 घंटे में रिकॉर्ड 95 हजार 735 मरीज मिले। देश में अब तक 75 हजार 197 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 9 लाख 23 हजार 327 एक्टिव केस हैं। 34 लाख 83 हजार 39 मरीज ठीक हो चुके हैं। राजधानी दिल्ली में पिंक और यलो लाइन के बाद आज से रेड और ग्रीन लाइन पर भी मेट्रो शुरू हो गई। उधर, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) ने बताया कि राजधानी में ज्यादातर मेट्रो लाइंस शुरू हो गई हैं।

भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ राफेल

सर्वधर्म पूजा के साथ भारतीय वायुसेना के बेड़े में हुआ शामिल

नई दिल्ली । पूर्वी लद्दाख में सीमा पर भारत और चीन के बीच जारी तनातनी के बीच आज यानी भारतीय वायुसेना को उसका बाहुबली मिल गया और इस तरह से भारत की ताकत में और इजाफा हो गया। फ्रांस से खरीदे गए पांच राफेल लड़ाकू विमान औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुए। अंबाला एयरबेस पर राफेल के इंडक्शन समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली भी मौजूद रहीं। सर्वधर्म पूजा के साथ ही आसमान में दुश्मनों को अपनी ताकत दिखाकर बाहुबली राफेल भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हो गया। राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षामंत्री की मौजूदगी में सुबह दस बजे राफेल का भारतीय वायुसेना में शामिल होने की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले सर्वधर्म पूजा की गई, जिसके बाद फ्लाईपास्ट किया गया। फ्लापास्ट के दौरान राफेल ने हर तरह से दुश्मनों को अपनी ताकत का एहसास कराया। राफेल ने दिखाया कि न सिर्फ वह काफी स्पीड में उड़ान भर कर दुश्मनों पर टूट सकता है, बल्कि कम स्पीड में भी वह उड़ान भर सकता है। फ्लाईपास्ट के दौरान राफेल के साथ आसमान में तेजस, सुखोई भी उड़ान भरते दिखे। हरियाणा के अंबाला स्थित वायु सेना स्टेशन में एक शानदार समारोह में यह विमान वायु सेना के गोल्डन एरो स्क्वाड्रन का हिस्सा बन गया। अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी का सामना कर रही भारतीय वायु सेना के लिए इस दिन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदलने की ताकत रखने वाला राफेल इसी दिन उसके लड़ाकू विमानों के बेड़े की शान बन गया। पाकिस्तान और चीन के साथ तनाव के मद्देनजर राफेल की मौजूदगी अब और भी अहम हो गई है। क्योंकि राफेल में चीन और पाकिस्तान को मात देने की पूरी क्षमता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वायुसेना में राफेल का शामिल होना एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है। राफेल का वायुसेना के बेड़े में शामिल होना भारत और फ्रांस के बीच के प्रगाढ़ संबंधो को दर्शाता है। भारत और फ्रांस लंबे समय से आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक साझेदार रहे हैं। मजबूत लोकतंत्र के प्रति हमारी आस्था और सम्पूर्ण विश्व में शांति की कामना, हमारे आपसी संबंधो के आधार हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि राफेल का भारतीय वायुसेना में शामिल होना पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा और कड़ा संदेश है, खासकर हमारी संप्रभुता पर नजर रखने वालों के लिए। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राफेल विमान को गेम चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं में हाल के दिनों में जिस तरह से बना है या बनाया गया है, उनके लिए यह सीधा संदेश है। हमारी नेशनल सिक्योरिटी पीएम मोदी की बड़ी प्राथमिकता रही है। राफेल को पाने में कई अड़चनें भी आईं, मगर पीएम मोदी की इच्छाशक्ति के आगे सभी बाधाएं खत्म हो गईं और राफेल हमारे सामने है। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने राफेल इंडक्शन सेरेमनी को संबोधित किया और कहा कि हम दोनों देशों के लिए एक उपलब्धि है। हम एक साथ मिलकर भारत-फ्रांस के रक्षा संबंधों में एक नया अध्याय लिख रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लांच की मत्स्य संपदा योजना,

55 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 20,050 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) का शुभारंभ किया।योजना का मकसद किसानों की आय दोगुनी करने के सरकार के लक्ष्य के तहत मत्स्यपालन क्षेत्र का निर्यात बढ़ाना है।कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री ने मत्स्यपालन तथा पशुपालन क्षेत्र के लिए कई और योजनाओं की शुरुआत की। इस योजना की शुरुआत बिहार से हुई है। बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।इस दौरान पीएम मोदी ने मोबाइल एप ई-गोपाला का शुभारंभ किया।यह एप किसानों को पशुधन के लिए ई-मार्केटप्लेस उपलब्ध कराएगी।इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने पूर्णिया में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले वीर्य केंद्र का भी उद्घाटन किया।इस केन्द्र को बनाने में 84.27 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। केंद्र के लिए नीतिश सरकार ने

75 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। इसके उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने किसानों से मुख्य रूप से पशुधन और मत्स्यपालन क्षेत्रों पर बात की। पीएमएमएसवाई मत्स्य क्षेत्र पर केंद्रित और सतत विकास योजना है। इस आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत वित्त वर्ष 2020-2021 से 2024-2025 की अवधि के दौरान सभी राज्यों में कार्यान्वित किया जाना है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को कहा कि पीएमएमएसवाई के अंतर्गत 20,050 करोड़ रुपये का निवेश मत्स्य क्षेत्र में होने वाला सबसे ज्यादा निवेश है। इसमें से लगभग 12,340 करोड़ रुपये का निवेश समुद्री, अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि में लाभार्थी केन्द्रित गतिविधियों पर तथा 7,710 करोड़ रुपये का निवेश मत्स्यपालन ढांचे के लिए प्रस्तावित है। इस योजना के उद्देश्यों में 2024-25 तक मछली उत्पादन अतिरिक्त 70 लाख टन बढ़ाना तथा 2024-25 तक मछली निर्यात से आय को 1,00,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।

लोन मोरेटोरियम :

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से कहा- ठोस योजना के साथ अदालत आएं, आखिरी बार टाल रहे केस

नई दिल्ली। कोरोनाकाल में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंक कर्जधारकों को राहत देते हुए लोन मोरेटोरियम सुविधा शुरू की। इसके अंतर्गत ग्राहकों को 31 अगस?त तक ईएमआई (ईएमआई) चुकाने से राहत दे दी गई। अब ये सुविधा खत?म हो चुकी है। मोरेटोरियम सुविधा को आगे बढ़ाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले को बार-बार टाला जा रहा है। अब इस मामले को सिर्फ एक बार टाला जा रहा है वो भी फाइनल सुनवाई के लिए। इस दौरान सब अपना जवाब दाखिल करें और मामले में ठोस योजना के साथ अदालत आएं। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते दिए। दरअसल, लोन मोरेटोरियम सुविधा खत?म होने के बाद लोगों के पास बैंकों से ईएमआई चुकाने के

लिए मैसेज, फोन कॉल?स और ई-मेल?स आने शुरू हो गए हैं। इससे लोगों को अपने बैंक लोन अकाउंट को नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) घोषित किए जाने का डर सता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक सरकार ठोस प्लानिंग नहीं बताती, तब तक यानी 31 अगस्त तक लोन डिफॉल्टरों को एनपीए घोषित ना करने का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- सरकार और आरबीआई की तरफ से दलील रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि ब्याज पर छूट नहीं दे सकते है लेकिन भुगतान का दबाव कम कर देंगे। मेहता ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाला कोई फैसला नहीं लिया जा सकता। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि वे मानते हैं कि जितने लोगों ने भी समस्या रखी है वे सही हैं। हर सेक्टर की स्थिति पर विचार जरूरी है लेकिन बैंकिंग सेक्टर का भी खयाल रखना होगा। तुषार मेहता ने कहा कि मोरेटोरियम का मकसद यह नहीं था कि ब्याज माफ कर दिया जाएगा। तुषार मेहता ने कहा कि कोरोना के हालात का हर सेक्टर पर प्रभाव पड़ा है लेकिन कुछ सेक्टर ऐसे भी हैं जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। फार्मास्यूटिकल और आईटी सेक्टर ऐसे सेक्टर हैं जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जब मोरेटोरियम लाया गया था तो मकसद था कि व्यापारी उपलब्ध पूंजी का जरूरी इस्तेमाल कर सके और उन पर बैंक की किश्त का बोझ नहीं पड़े।

जताया पीएम मोदी और अमित शाह का आभार

अभिनेत्री कंगना की माँ भाजपा में हुईं शामिल

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनौत की मां आशा रनौत भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं. भाजपा से जुडने के बाद आशा रनौत ने कहा कि कंगना के साथ जो हुआ, उसके बाद भाजपा में आना ही पड़ा. आशा रनौत ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद किया है. कंगना रनौत के मुंबई स्थित दफ्तर पर बीएमसी की कार्रवाई के बाद आशा रनौत ने बुधवार को शिवसेना पर जोरदार हमला बोला था. उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे आज आपने मेरी बेटी कंगना के ऑफिस पर नहीं, बल्कि अपने पिता बालासाहेब ठाकरे की आत्मा पर घाव किया है. आशा रनौत ने कहा कि उनका परिवार कांग्रेस पार्टी की विचारधार से जुड़ा रहा है, लेकिन आज जब कंगना पर विपदा आई और महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रकार की हरकत की, तो केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली और प्रदेश में जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार उनकी मदद के लिए खड़ी हुई. आशा रनौत ने कहा कि भाजपा ने उनकी बेटी को सुरक्षा मुहैया करवाई. कंगना की माँ ने इसके लिए पीएम मोदी, अमित शाह और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का आभार जताया है. वहीं माँ आशा रनौत के बयान पर कंगना रनौत भावुक हो गई. कंगना रनौत ने कहा कि जब मेरे ऑफिस के हिस्से को तोड़ा गया तो मां का चेहरा मेरे सामने आ गया था. मेरी मां ने मुझे चेतावनी दी थी. माँ के बयान से मुझे सुकून मिला है. उल्लेखनीय है कि दफ्तर में बुलडोजर चलाए जाने के बाद से कंगना महाराष्ट्र सरकार पर हमलावर हैं. उनके निशाने पर सीधे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हैं. बुधवार को मुंबई पहुंचने के बाद कंगना ने एक वीडियो जारी करके कहा कि उद्धव ठाकरे आज मेरा घर टूटा है, कल तेरा घमंड टूटेगा. ये वक्त का पहिया है याद रखना. हमेशा एक जैसा नहीं रहता है.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

सिंचाई विभाग की लापरवाही से हुआ आशियाना क्षतिग्रस्त

सुंदरबनी (रोहित)। जिला राजोरी के उपजिला सुंदरबनी के नाला पंचायत के नाहोती गांव में चंचला देवी नाम की महिला का पिछ्ले कई वर्षों से बुरा हाल हैं। यह चंचला देवी गरीबी रेखा की सत्ता से भी नीचे रहने वाली महिला हैं जिसका राशन कार्ड अंत्योदय योजना के अंतर्गत बना हुआ है। लेकिन चंचला देवी को केंद्र सरकार की आवासीय योजना या फिर अन्य योजनाओं का लाभ अभी तक नहीं मिल सका हैं। केंद्र सरकार की बहुत सारी योजनाएं ऐसे गरीब परिवारों के लिए ही बनाई गई है लेकिन चंचला देवी केंद्र की कोई भी योजना छू नहीं सकी। दैनिक पुष्पांजलि टुडे के संवाददाता जब चंचला देवी के घर में पहुंचे तो चंचला देवी ने अपनी आपबीती उन्हें सुनाई चंचला देवी का कहना था कि कई बार प्रशासनिक अन्य विभागों के अधिकारी उनके पास पहुंचे लेकिन लेकिन दुर्भाग्य वंश उनके हाथ इस चंचला देवी को देने के लिए नहीं खुल सके। और जो उसकी अपनी व्यक्तिगत मेहनत से बनाया हुआ आशियाना था उसे भी सिंचाई विभाग द्वारा ठहाने का प्रयास पूरी तरह से किया गया । उसका कहना है कि प्रशासन आता है सुनता नहीं आखिर लाचार बेबस चंचला देवी जाए तो जाए कहां । चंचला देवी का कहना है कि उसके दो बेटे हैं जो कि दूसरे प्रदेश में मेहनत मजदूरी करते हैं और बड़ी मुश्किल से अपना गुजारा करते हैं। और खंड विकास विभाग यह सोच कर के चला जाता है कि इनके पास दो बेटे हैं और सब कुछ पर्याप्त मात्रा में हैं इन्हें कुछ नहीं चाहिए इसलिए हाथ जोड़ चल देता हैं। शायद विभाग को यह नहीं पता कि गरीब की श्रेणी क्या होती है एक बार उसके राशन कार्ड बुक को भी कभी किसी विभाग के अधिकारी ने पढ़ा होता तो शायद आज चंचला देवी के साथ ऐसा नहीं होता । नाहोती नाला के सरपंच मोहनलाल से जब चंचला देवी को लेकर के सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि चंचला देवी एक गरीब और विधवा महिला है जिस का मकान सिंचाई विभाग की नहर और सड़क के पानी धीरे धीरे क्षतिग्रस्त हो रहा है और उसकी जमीन मे लगी फसल को भी पूरी तरह से नुकसान पहुंचाता हैं। चंचला देवी के घर के पीछे से तीन करोड रुपए की लागत से बनी सिंचाई विभाग की नहर का पानी उसके घर में घुस जाता हैं। नहर के टूट जाने और ओवरफ्लो हो जाने से उसके घर में पानी घर में घुस जाता हैं। बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता । लेकिन सिंचाई विभाग के अधिकारी जब से नहर बनी है तब से कोई भी इसकी सुध लेने नहीं आया । जिस मकसद के लिए नहर बनाई गई थी उसका पानी उस गांव या मोहल्ले तक पहुंचता है जिसके लिए बनाई गई थी या फिर नहीं । सरपंच मोहनलाल ने कहा कि सिंचाई विभाग के अधिकारी और खंड विकास विभाग के अधिकारी एक बार चंचला देवी के घर में आए और अपनी आंखों से सच्चाई को जान लें ।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पर जांच की गई

पाली. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पर प्रत्येक माह की 9 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस आयोजित किया जाता. पाली पंचायत समिति ग्राम दें डा.राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की निशुल्क जांच एवं निशुल्क दवाइयां वितरण की गई. राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ मदन सिंह द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर हर माह की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती . जिसमें हाई रिस्क प्रेगनेंसी को चिन्हित करके रेफर किया जाता है.उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार एवं स्वास्थ्य की देखभाल हेतु उचित दिशा निर्देश जांच शिविर में दिए जाते .राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं को स्वच्छता के प्रति एवं सोशल डिस्टेंस की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई. जिसमें प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर जांच के दौरान अन्य मौसमी वायरस के प्रकोप के बारे में गर्भवती महिलाओं को विशेष दिशा निर्देश दिए गए. इस मौके पर शिक्षा संस्थान में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं एएनएम द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच करके निशुल्क दवाइयां वितरण की गई. जिसमें चिकित्सा प्रभारी डॉ मदन सिंह मेल नर्स द्वितीय राजू दास एल एल एस श्रीमती विजयलक्ष्मी एएनएम श्रीमती मीना परिहार एएनएम श्रीमती हेमलता डी ई ओ गोविंद कुमार द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर की गई।

पोषण माह के उपलक्ष्य में आयोजित हुई प्रतियोगिता

पीलीभीत। सितम्बर माह को पोषण माह के रूप में सरकार द्वारा घोषित किया गया है। पीलीभीत के अमरिया ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय लदपुरा में बच्चों द्वारा लोगों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री मदनलाल वर्मा के आदेशानुसार कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुये मात्र तीन बच्चों को गतिविधि में शामिल किया गया। अध्यापक अभिषेक कुमार ने बच्चों को पोस्टर,रंगोली,सन्तुलित आहार सूची व निबन्ध लेखन मे सहयोग प्रदान किया। उन्होनें यह कहा कि सन्तुलित आहार न लेने के कारण शरीर कमजोर पड़ जाता है। छोटे बच्चें बहुत ही जल्दी कुपोषण का शिकार हो जाते है। इसलिये सभी को पर्याप्त मात्रा में विटामिन,कार्बोहाइड्रेट,वसा और प्रोटीनयुक्त भोजन ग्रहण करना चाहिये। सबको पर्याप्त मात्रा में जल भी पीना चाहिए। प्रतियोगिता से संबंधित फोटो सरकार के पोषण अभियान की साइट व शिक्षा विभाग के वॉट्सएप्प ग्रुप में भी शिक्षक अभिषेक द्वारा भेजे गये ताकि अधिक से अधिक लोग इसके प्रति जागरूक हो सके। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक वसीम व शिक्षामित्र रहमत अली भी उपस्थित रहे।

चार साल से पीड़ित ठेकेदार न्याय पाने को भटक रहा दर व दर, नही मिल सका न्याय

आगरा / खेरागढ़। एंकर - ग्राम प्रधान की दबंगई के चलते ठेकेदार को नहीं दिया गया, इंटरलॉकिंग करने का पैसा पीड़ित ठेकेदार न्याय पाने के लिए 4 सालो से काट रहा अधिकारियों के चक्कर। योगी सरकार में नहीं हो रही पीड़ित ठेकेदार की सुनवाई। विओ - रिंकू परमार ने बताया कि उसके पिता भूप सिंह परमार सरकारी टेंडर लेते हैं। 4 साल पूर्व उन्हें थाना खेरागढ़ के गांव भिलावली के ग्राम प्रधान लीलावती के पुत्र जगन्नाथ द्वारा 1260 फुट रास्ते का इंटरलॉकिंग खरंजा करने का ठेका दिया गया। जिसमें ग्राम प्रधान पुत्र द्वारा मात्र 850 फुट खरंजा करने का ही भत्ता दिया गया। बाद में ग्राम प्रधान पुत्र पैसे देने में आनाकानी करने लगा ठेकेदार द्वारा पैसे मांगने पर ग्राम प्रधान पुत्र ने उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से भगा दिया।

विकासखंड खैरागढ़ के प्राथमिक विद्यालय लल्लूपुरा में वर्षों से नौनिहालों की भविष्य से खिलवाड़ के लिए कौन है जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी भाग रहे हैं अपनी जिम्मेदारी से

पुष्पांजली टुडे न्यूज़-:खेरागढ़

ताज नगरी आगरा की बात की जाए तो माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लाखों प्रयास कर रहे हैं लेकिन जिला आगरा के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी खेरागढ़ अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं और जिम्मेदारियों को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहे हैं सरकार की योजनाएं जैसे पुस्तक वितरण ड्रेस वितरण राशन वितरण एवं विद्यालयों का कायाकल्प जैसे मरम्मत रंगाई पुताई विद्युतीकरण आदि कार्य वर्षो से नहीं हो रहा है जिम्मेदार प्रधानाध्यापक को कथित मेडिकल पर वर्षों छुट्टी पर रखा जाता है हाल में प्राथमिक विद्यालय लल्लपुरा विकासखंड खैरागढ़ के नौनिहालों के भविष्य को संभालने के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा से फोन पर बात की तो अपनी जिम्मेदारी से मुकरते हुए प्राथमिक विद्यालय लल्लूपुरा मैं की गई कार्रवाई के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पूर्व में खण्ड शिक्षा अधिकारी खेरागढ़ रहे है उन्होंने भ्रष्टाचार करते हुए बर्षों से तैनात प्रधानाध्यापक दिनेश चाहर को कथित मेडिकल पर घर बैठे वेतन दिया है प्राध्यापक दिनेश चाहर के बर्षों स्कूल ना आने पर सहायक अध्यापिका मोना लखवानी एवं शिक्षामित्र रामपाल सिंह प्रशासन में लिखित मौखिक एवं फोन पर कई बार सूचना दी अध्यापिका मोना लखवानी जो बाल्य देखभाल अवकाश पर थी सहायक अध्यापिका मोना लखवानी को निलंबित तथा रामपाल शिक्षा मित्र को मानदेय अवरुद्ध कर दिया है सूचना देने वालों को ही आरोपी बना दिया है उक्त प्रकरण की जांच फोन पर बात करने पर पता चला कि खंण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार निम को जांच अधिकारी बनाया गया है जबकि निलंमन पत्र में श्री अखिलेश वर्मा को नाम अंकित है दोनों ही खण्ड शिक्षा अधिकारियों के कार्यकाल में प्रधानाध्यापक को कथित मेडिकल पर वेतन आहरित किया गया है पत्र में जांच करने का समय 15 दिन अंकित है लेकिन अभी किसी अधिकारी द्वारा आरोपपत्र भी नहीं दिया गया है देखना यह है कि दोषी प्रधानाध्यापक दिनेश चाहर के खिलाफ उचित कार्रवाई होती है या नहीं और निर्दोष सहायक अध्यापिका मोना लखवानी एवं रामपाल शिक्षामित्र को न्याय मिलेगा या नहीं

तमिलनाडु पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन की ओर से आवडी पुलिस अधीक्षक का शाल ओढ़ाकर किया संम्मानित

प्रेस-नारायणलालसैणचा

चैन्नई। तमीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन आवडी शाखा कि तरफ सु आज सुबह आवडी . सत्यमुरतीजी आवडी पुलीस अधीक्षक राजकुमार जी का सोल दुवारा सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम मे भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व तामीलनाडु पावन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश कोषाध्यक्ष .श्याम भाटी सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एम एस आणदप्रकाश शर्मा प्रदेश सहसचिव एम.रमेशकुमार सेन आवडी सघंठन के सचिव अतुल शर्माव कोषाध्यक्ष मंगलाराम सीरवी मोजुद रहे।

एनएसयूआई बिलाड़ा ने पूर्व पाली सांसद जाखड़ का मनाया जन्मदिन

प्रेस -नारायणलाल सैणचा

एनएसयूआई बिलाड़ा द्वारा पूर्व सांसद पाली बद्रीराम जाखड़ जी

के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एनएसयूआई द्वारा सामाजिक सरोकार का कार्य किया ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुनसिंह बोचावत ने बताया की युवा साथियों द्वारा जाखड़ के जन्मदिन पर राजकीय चिकित्सालय बिलाड़ा में मरीजो को फल वितरित किये व पर्यावरण संजीवनी संस्थान द्वारा पौधरोपण किया गया एवं ठ्ह्यह्ह्द्ध द्वारा पक्षियों के लिए दाने पानी की व्यवस्था की व उनके दीर्धायु की कामना की इस दौरान महेंद्र सोनी ,तरुण बोचावत , मेहराज कुरैसी , माधाराम मेघवाल ,गोविन्द सीरवी, नरेंद्र सोडा , देवेंद्र सीरवी , प्रफुल सीरवी , मनोज पुनावत , उमा शंकर , महावीर कड़ेला , सहित युवा साथी मौजूद थे ।

महिला कांग्रेस ने मंदिर भूमि विवाद पर किया प्रदर्शन

जम्मू, (अमित)। महिला कांग्रेस की बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जम्मू के ऐतिहासिक और प्राचीन पंज बख्तर महादेव मंदिर और अवैध और गुप्त तरीके से निविदाएं जारी करने का दावा करने के लिए भाजपा के नेतृत्व में जम्मू नगर निगम के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। उच्च स्तर की जांच और मेयर के इस्तीफे के अलावा बिना किसी बादल के मंदिर की भूमि की बहाली। पूर्व विधायक श्रीमती इंदु पवार के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता ने मंदिर की भूमि को अतिक्रमण करने के प्रयास के साथ निविदा के अवैध और गुप्त बहिष्कार के पीछे के असली दोषियों को बेनकाब करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच की मांग की। आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, सुश्री इंदु पवार ने अपने दोहरे मानकों के लिए भाजपा नेतृत्व को लताड़ लगाई, क्योंकि एक ओर भाजपा नेताओं ने हिंदुओं और उनकी भावनाओं की रक्षा करने का चैंपियन होने का दावा किया था, लेकिन दूसरी ओर भाजपा के नेतृत्व में जम्मू नगर निगम ने बेशर्मी से पंज बख्तर मंदिर की भूमि का अतिक्रमण करने का प्रयास किया। लोगों और कांग्रेस पार्टी के दबाव के कारण पार्किंग की जगह के लिए निविदा रद्द करने के अधिकारियों के फैसले को समाप्त करना, लेकिन यह एक आंशिक जीत है क्योंकि साजिश का पर्दाफाश होना है और मंदिर के लिए पूरी तरह से मंजूरी दे दी गई है। उसने कहा कि इस गहरी जड़ की साजिश की जड़ तक जाने के लिए उच्च स्तरीय जांच की जरूरत है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह संभव नहीं है कि निविदा भाजपा नेताओं के परामर्श के बिना मंगाई गई थी, जो यूटी और केंद्र में सरकार चलाने के अलावा जम्मू नगर निगम के मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं।

स्थानीय कांग्रेस कारपोरेटर और नवगठित सचिव महिला कांग्रेस सुश्री रितु चौधरी, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन को प्रबंधित किया, ने कहा कि पहले भी इस ऐतिहासिक मंदिर की भूमि को घेरने की कोशिश की गई थी लेकिन उन्हें नाकाम कर दिया गया था। संघर्ष को दोषियों को बेनकाब करना जारी रहेगा क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त केयर टेकर की पहल का पूरा समर्थन किया था।

संरक्षक को संबोधित करने वाले अन्य लोग सुश्री वंदना मखनोत्रा, सुश्री सुमन चौधरी, सुश्री रीता कनौजिया और अन्य थे ।

राष्ट्रीय हिन्दू एकता संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विशाल सिंह बिसेन व मध्य प्रदेश महिला अध्यक्ष पूनम पांडे ने

शिवसेना व महाराष्ट्र सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की

समाज सेविका पूनम पांडे जी ने कहा कि जो सरकार महिलाओं को सम्मान नहीं दे सकती ऐसी सरकारों को जनता उखाड़ फेंकेगी । जिस तरह कंगना राणावत एक इंसाफ कि मांग कर रही और इन लोगों ने उनका जीना हराम कर रखा है सच कि लड़ाई लड़ने वाली कंगना के साथ पूरा हिन्दू समाज खड़ा है मैं राष्ट्र की समस्त नारी शक्ति से निवेदन करती हूं कि आप सभी भी अपनी एकता दिखाते हुए सच का साथ दीजिए और दिखा दो इन देश के गद्दारों को की हमारे देश की नारी शक्ति कमजोर नहीं है । मैं पूनम पांडे हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री मोदी जी से मांग करती हूं कि केंद्र सरकार सच का साथ पूरे तरीके से दे ताकि संजय राउत जैसे लोग कभी किसी नारी का अपमान ना करें। क्षत्रिय समाज के नेता व राष्ट्रीय हिन्दू एकता संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विशाल सिंह बिसेन ने रोष जताते हुए कहा शिव सेना अब सारी हदें पार कर रही है उद्धव ठाकरे ,संजय राउत होश में आओ व पूरी महाराष्ट्र सरकार को खुले शब्दों में चेतावनी देते हुए बिसेन ने कहा कि हमारा क्षत्रिय समाज और हिन्दू समाज का हर एक संगठन कंगना राणावत के साथ खड़ा उनको अकेली महिला समझने की भूल मत करना हम चंबल वासी हैं हमारे इतिहास को पड़ लेना जिस दिन हमारा रोध्र रूप देखोगे तो आप जैसे देश के गद्दारों को मुंबई तो क्या देश में भी मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी । कंगना राणावत अकेली नहीं अपितु हम सभी सुशांत राजपूत के लिए न्याय मांग रहे हैं और अब इंसाफ होगा रहेगा महाराष्ट्र सरकार ही पूरी तरह भ्रष्ट है जो खुद ही ड्रग्स के कारोबार को चला रही है कंगना राणावत जी ने इंसाफ के लिए आवाज़ उठाई है उस खान गेंग की असलियत सामने लाई जा रही है जो हमारे देश का खाते और गद्दारी करते हैं ।जिस तरह महाराष्ट्र सरकार ने कंगना जी के घर और ऑफिस को तोड़ा है ये बहुत ही निंदनीय कृत्य है । हम केंद्र सरकार से इसकी निस्पंछ जांच की मांग करते हैं और भारत सरकार के गृह मंत्री जी का आभार व्यक्त करते हैं जो उन्होंने सुरक्षा मुहैया कराई। उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों कान खोलकर सुन लें अगर हम राजपूतों ने ठान ली तो तुम्हारी ईंट से ईंट बजा देंगे । मैं केंद्र में बैठी भाजपा सरकार से निवेदन करता हूं कि इन देश के गद्दारों के खिलाफ शक्त कार्यवाही की जाए व सच को सामने लाया जाए ।

पूनम पांडे भाजपा नेत्री मध्य प्रदेश।

ऑक्सीजन आपूर्ति पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से की फोन पर चर्चा, कोविड के मरीज बढ़ रहे हैं, सावधानी आवश्यक, कोरोना पर समीक्षा बैठक संपन्न

प्रदेश में नहीं होगी ऑक्सीजन की कमी : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं रहेगी। कोविड-19 के मरीजों को आवश्यकतानुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति हर हालात में सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश में विद्यमान प्लांट्स की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अन्य राज्यों से समन्वय का प्रयास निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर आयोजित बैठक में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है पर हर स्थिति में व्यवस्थाओं का सुचारु संचालन आवश्यक है। सितम्बर माह के अंत तक 150 टन ऑक्सीजन उपलब्ध हो जाएगी। नए ऑक्सीजन प्लांट के लिए भी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे से प्रदेश में ऑक्सीजन आपूर्ति के संबंध में फोन पर बात की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि श्री ठाकरे ने आश्वस्त किया है कि ऑक्सीजन की समस्या महाराष्ट्र में भी है पर वे पूरे प्रयास करेंगे कि मध्यप्रदेश को ऑक्सीजन की आपूर्ति जारी रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश को 20 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति महाराष्ट्र से है। यह आपूर्ति आईनॉक्स कंपनी द्वारा की जाती

है। यह कंपनी आवश्यकता होने पर गुजरात और उत्तरप्रदेश के अपने प्लांट से मध्यप्रदेश को ऑक्सीजन की आपूर्ति करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास 50 टन ऑक्सीजन उपलब्ध थी इसको बढ़ाकर हमने अपनी क्षमता 120 टन कर ली है और 30 सितम्बर तक यह क्षमता 150 टन हो जाएगी। प्रदेश में विद्यमान ऑक्सीजन प्लांटों की क्षमता वृद्धि के निर्देश भी दिए गए हैं। यदि ये प्लांट 100 प्रतिशत क्षमता पर कार्य करेंगे तो हमें अतिरिक्त ऑक्सीजन प्राप्त हो सकेगी। प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी की स्थिति नहीं आएगी। किसी प्रकार की चिंता की आवश्यकता नहीं है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि ऑक्सीजन का दुरुपयोग न हो। मरीज को आवश्यकतानुसार ऑक्सीजन उपलब्ध हो। ऑक्सीजन का अपव्यय और दुरुपयोग रोकने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण तथा निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए दूरगामी योजना पर भी कार्य कर रहा है। आईनॉक्स कंपनी का ऑक्सीजन प्लांट प्रदेश में लगाने की अनुमति दी जा रही है। होशंगाबाद के मोहासा बावई में यह प्लांट लगेगा। इसमें 200 टन ऑक्सीजन का उत्पादन होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य में कोविड के मरीज बढ़ रहे हैं यह वास्तविकता है। परन्तु हर स्थिति में व्यवस्थाएं ठीक चलती रहें उसके लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। अस्पताल में बिस्तर बढ़ाने की आवश्यकता भी है। इस दिशा में भी राज्य सरकार कार्यरत है। चिकित्सा महाविद्यालयों तथा जिला चिकित्सालयों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। निजी अस्पतालों में कोविड के प्रभावी इलाज की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश लॉक से अनलॉक की ओर बढ़ा है। अर्थव्यवस्था को पुनः लॉक नहीं कर सकते। आर्थिक गतिविधियां बंद नहीं हो सकती। इस परिस्थिति में सावधानी बरतना बहुत आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से मास्क का उपयोग हर स्थिति में करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मास्क और परस्पर दूरी कोरोना से बचाव का प्रभावी उपाय है मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना महामारी के प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लक्ष्य आधारित रणनीति क्रियान्वित की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी जिलों में फीवर क्लीनिक पर आवश्यक जांच और उपचार की व्यवस्था हो। फीवर क्लीनिक को और अधिक सशक्त किया जा रहा है। सभी जिलों में सोमवार तक कोविड कमांड तथा कंट्रोल सेंटर आरंभ करने के निर्देश दिए गए। इससे होम आईसोलेशन में जो मरीज हैं उनकी मॉनीटरिंग की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। कमांड कंट्रोल सेंटर पर एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। अगर किसी भी मरीज को जरूरत पड़े तो उसे तत्काल अस्पताल भेजा जा सके। श्री चौहान ने कहा कि होम आइसोलेशन व्यवस्था सुदृढ़ कर इसे प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। निवास पर आयोजित बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री संजय शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड-19 से सुरक्षा के साथ श्रमोदय विद्यायल में प्रवेश परीक्षा शीघ्र आयोजित करने के निर्देश

पंजीयन से वंचित निर्माण श्रमिकों के लिए तीन माह का विशेष अभियान चलाया जायेगा - श्रम मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह

भोपाल। श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सँनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल और श्रमोदय आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2020 के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने श्रमोदय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2020-21 में प्रवेश के लिए श्रमोदय विद्यालय भोपाल को प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से सुरक्षा के साथ परीक्षा शीघ्र आयोजित की जाये और पंजीयन से वंचित निर्माण श्रमिकों के पंजीयन के लिए 2 अक्टूबर, 2020 से 3 माह का विशेष अभियान चलाया जाये। मंत्री श्री सिंह ने मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सँनिर्माण

कर्मकार कल्याण मण्डल की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पंजीयन प्रक्रिया को सुगम तथा पारदर्शी बनाया जाये, जिससे श्रमिक आसानी से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकें। श्रम विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने बताया कि प्रदेश के भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर श्रमोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2018-19 एवं 2019-20 के लिए मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से प्रवेश परीक्षा आयोजित कर भोपाल में 927, इंदौर में 807, जबलपुर 611 एवं ग्वालियर में 815 श्रमिकों के छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया था, बैठक में निर्णय लिया गया है कि श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के प्रवेश के लिए श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल द्वारा श्रमोदय परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। समीक्षा बैठक में वेलफेयर कमिशनर श्री छोटे सिंह, और श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल की सड़कों पर दौड़ी कोरोना अवेयरनेस ट्रेन

कोरोना के प्रति जागरूकता बढ़ाना मकसद

भोपाल। कोरोना के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए गुरुवार को एक कोरोना इको ट्रेन को भोपाल की सड़कों पर दौड़ती नज़र आई। ये कोरोना स्पेशल इको ट्रेन भोपाल शहर के विभिन्न इलाकों से होती हुई गुजरी और लोगों को कोरोना महामारी के प्रत और सजग रहने का संदेश दिया। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने गुरुवार सुबह 11 बजे चार इमली स्थित अपने कार्यालय से इस ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना किया। ट्रेन के साथ ही एक इ-साइकिल को भी इस मौके पर रवाना किया गया। ट्रेन में इंजन के अलावा 3 बोगियां बनाई गई हैं। सभी डब्बों पर कोरोना वायरस के बारे में जानकारी दी गई है और इसकी रोकथाम के उपाय बताए गए हैं। ट्रेन में किसी भी तरह के इंधन का इस्तेमाल नहीं किया गया है और ये पूरी तरह इकोफ्रेंडली बनाई गई है। चार इमली से रवाना होकर ये अवेयरनेस ट्रेन माता मंदिर चौराहा, न्यू मार्केट, पुलिस हेडक्वार्टर, मंत्रालय, बोर्ड ऑफिस और अर्बन डेवलपमेंट कार्यालय होता हुआ आइएसबीटी तक गई। इस इको-फ्रेंडली कोरोना अवेयरनेस ट्रेन को नगरीय विकास मंत्रालय के सहयोग से क्रिप्टिक नाम की कंपनी ने तैयार किया है।

राठवा आवास सौन्दर्य और देशज वास्तुकला का खूबसूरत उदाहरण

भोपाल। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा अपनी ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला के तेरहवें सोपान के तहत आज राठवा जनजाति के आवास की मूल जानकारी एवं छायाचित्रों एवं वीडियों सहित ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया है। इस संदर्भ में संग्रहालय के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि राठवा जनजाति भारत के सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न जनजातीय समुदायों में से एक है जिनके नाम की उत्पत्ति राठविस्तार शब्द से हुई है जिसका अर्थ है जंगलों या पहाड़ों में रहने वाले। राठवा गुजरात के बडोदरा, छोटा उदेपुर, तथा पंचमहल जिले के कुछ भागों मे रहते हैं। राठवाओं की सांस्कृतिक समृद्धि उनकी बोली, भाषा, खान-पान, पहनावे और आभूषण, धार्मिक क्रिया-कलापों, रीति-रिवाजों और परम्पराओं के साथ-साथ कला और वास्तु में भी प्रतिबिम्बित होती हैं। एक कृषक जनजाति होने के नाते राठवा बस्तियाँ 40-50 आवास युक्त होती हैं जो ज्यादातर ताड़ कुंज से घिरे हुये एवं उनके खेतों से सटे होते हैं। ढलवा छत वाले राठवा आवास बाढ़ और पानी से घर और मवेशी जो कि उनकी आजीविका का भी अभिन्न अंग है को बचाने के उद्देश्य से उभरे हुये धरातल पर बनाये जाते हैं। पूरा घर दो मुख्य भागों में बंटा होता है, रसोई घर और क्रिया-कलाप क्षेत्र। गतिविधि या कार्य-कलाप क्षेत्र अपेक्षाकृत बड़ा होता है क्योंकि दैनिक जीवन की अधिकांश गतिविधियां जैसे खाना, सोना, मेल-मिलाप, चर्चा, अनुष्ठान इत्यादि एक ही स्थान पर होते हैं। डॉ सुदीप रॉय सहायक कीपर ने इस सम्बन्ध में आगे बताया कि एक मंजिला किन्तु दोहरी छत वाले ये आवास मकान मालिक की आर्थिक स्थिति के अनुसार ताड़ के पत्तों या टेराकोटा के कवेलुओं की छाजन युक्त होते हैं।

विंध्यावैली के उत्पाद बेस्ट प्राइज, डी-मार्ट के साथ ऑनलाइन पर भी उपलब्ध : भार्गव

भोपाल। कुटीर एवं खादी-ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि ''लोकल फॉर व्होकल'' के अन्तर्गत विन्ध्यावैली के उत्पाद बेस्ट प्राईज, डी-मार्ट, रिलायंस फ्रेस, फ्रियदर्शनी जैसे मार्डन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी उपलब्ध होगें। साथ ही एमेजोन, फ्लिपकार्ट के माध्यम से ऑनलाइन भी उपलब्ध रहेंगे। इसके लिए म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मार्केटिंग की नई रणनीति तैयार की गई है। मध्य प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग के प्रबन्ध संचालक गौतम सिंह ने बताया है कि खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए नई कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत खादी वस्त्रों एवं कबीरा ब्राण्ड के प्रमोशन के लिए मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए खादी की जाकेट रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। विन्ध्यावैली ब्राण्ड के पैकड ड्रिंकिंग वाटर और मसाले मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के होटल और रेस्टोरेंट में उपयोग किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि विन्ध्यावैली उत्पादों की ऑनलाईन उपलब्धता एमेजोन, फ्लिपकार्ट, इत्यादि के माध्यम से सुनिश्चित किये जाने के लिए इन संस्थानों के साथ चर्चा प्रारंभ की गई है।

मंडी समितियों के कर्मचारी अब मंडी बोर्ड के कर्मचारी होंगे : मंत्री पटेल

भोपाल। प्रदेश की सभी मंडी समितियों के कर्मचारी अब मंडी बोर्ड के कर्मचारी होंगे। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों की पेंशन की टेंशन भी खत्म। आरक्षित निधि में 200 करोड़ रुपए का फण्ड पेंशन के लिए रहेगा। कृषि मंत्री श्री कमल पटेल की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड की 135वीं बैठक में मंडी बोर्ड के कर्मचारियों के हित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कृषि मंत्री श्री पटेल ने बोर्ड की बैठक में प्रदेश की सभी मंडी समितियों के कर्मचारियों को मंडी बोर्ड के कर्मचारी बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने इसके लिये आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए समग्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के

पेंशन के लिए 200 करोड़ का फण्ड, मण्डी में खरीदी की जिम्मेदारी मण्डियों की

निर्देश दिए। श्री पटेल ने कहा किसी भी मंडी समिति के कर्मचारी को अब सेवानिवृत्ति पश्चात पेंशन की टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। मण्डी बोर्ड में आरक्षित निधि में 200 करोड़ रुपये की राशि का फण्ड सुरक्षित रखा जायेगा। इससे सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को आजीवन पेंशन मिलती रहेगी। श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों की चिंताओं से भली-भाँति वाकिफ है। मण्डी के कर्मचारी बेहतर कार्य करते रहें, किसी प्रकार की चिंता न करें। मण्डियों को बाजार की प्रतिस्पर्धा में लाने के लिये स्मार्ट मण्डियों के रूप में विकसित किया जायेगा। इससे मण्डियों की आय में वृद्धि होगी। स्मार्ट मण्डियाँ बनने से किसान भी लाभान्वित होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि श्री अजीत केसरी के सुझाव पर मंत्री श्री पटेल ने मण्डी समिति के सदस्यों से मण्डियों को उत्कृष्ट बनाने और प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिये उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने मण्डियों की आय में गिरावट आने पर भी चिंता व्यक्त करते हुए सुधारों के लिये आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। इसके लिये समिति सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किये। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मण्डी प्रांगण के भीतर किसानों से होने वाली खरीदी एवं भुगतान की जिम्मेदारी मण्डियों की है। उन्होंने कहा कि मण्डी में अपनी उपज को विक्रय करने के बाद किसानों को भुगतान के लिये अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े, इसके लिये सभी आवश्यक प्रबंध किये जायें। किसानों को लंबित भुगतान करने के लिये खरीदी करने वाले व्यापारियों और जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों से भी वसूली करने के लिये कड़े कदम उठाये जायें। बैठक में प्रबंध संचालक मण्डी बोर्ड श्री संदीप यादव, उप सचिव एवं प्रभारी संचालक सुश्री प्रीति मैथिली, अपर संचालक श्री केदार सिंह और अपर संचालक श्री अमर सेंगर मौजूद थे।

हर पल यहाँ जी भर जिओ

ज़िंदगी के तमस सभर पहलू को नज़र अंदाज़ करके कायनात के हर ज़र्रे से गूँजायमान होती रानाइयां को स्पर्श करो, ज़िंदगी की मखमली तान को महसूस करो। एक सी शुष्क लय ओर धीमी रफ़्तार में जो कट जाए ज़िंदगी तो मज़ा ही क्या है। आड़े-टेढ़े उतार-चढ़ाव पर ढ़लती, फ़िसलती, पड़ती, जुझती ज़िंदगी का मज़ा ही कुछ ओर है।

ज़िंदगी एक दिपदिपाता इन्द्रधनुषी आलोक है क्यूँ ना ज़िंदगी के सारे रंगों का लुत्फ़ उठाया जाएँ।

सरल सहज संगमरमर सी स्मूद बिना कोई किस्से कहानियों वाली ज़िंदगी से इंसान थक जाता है, बोर हो जाता है। जिनको कहने लिखने के लिए अपने अहसास नहीं होते, स्मृतियाँ नहीं होती उसकी बस कट रही होती है। ज़िंदगी में साँसे भरता है संघर्ष, ओर जीने का हौसला देती है चुनौतियाँ।

जब इंसान पहली बार रोता है तब से लेकर उसकी आँखें बंद होने पर लोग रोते है तब तक का एक सफ़र होता है। अगर ये सफ़र मीठे रसगुल्ले सा रहा तो बैठे रहेंगे हम जो जितना है उस में संतोष मानकर। ÷बियर वाला हल्का नहीं व्हिस्की वाला गहरा नशा होना चाहिए ज़िंदगी को मुट्ठी में करने का÷

खूवाहिशों की रत्नमंजूषा लेकर जिओ। ज़िंदगी के मेले में अपनी एक खास जगह बनाओ। हर अधूरप को पूर्णता में बदलने के लिए मेहनत की चाबी काफ़ी है, एक उद्देश्य होना चाहिए, कोई लक्ष्य होना चाहिए। परिणाम महेत्व नहीं रखता हमने कितना जोखिम उठाया ये मायने रखता है।

छोटी सी सफ़लता पर इतराते खुद को सफ़ल समझ लेना समझदारी नहीं। अगर सच में आसमान को छूना है तो चलते रहो, दौड़ते रहो, लड़ते रहो हर पड़ाव को परवाज़ में भरते। हो सकता है थकान लगे, निराशा जन्में, बहुत सारे प्रयत्न असफ़ल भी रहे। टांग खिंचने वालों की कमी नहीं वो भी आपकी राहों में रोड़ा बनें। कुछ अपने हाथ देकर उपर उठाने आगे भी आए। आप मंज़िल की परिधि तय करके लक्ष्य को लिपटे उसी क्षितिज पर अड़ग रह कर बने रहो। बस आपको पता होना चाहिए आपको क्या पाना है।

और जो पाना है वो श्रेष्ठ है, सत्य है, योग्य है इतना आत्मविश्वास होना चाहिए।

कुछ मतलब कुछ भी नामुमकिन नहीं। कड़ी मेहनत का कोई पर्याय नहीं, बुलंद हौसले को जीतने का मिज़ाज दो हर फ़तेह कदम चूमेगी। क्यूँ बेरंग सी फ़िकी चाय सी ज़िंदगी जीनी है। आने वाली नस्लों को पढ़ने के लिए एक खुमारी भरी दास्तान लिख कर सफ़र को खत्म करें उसे ज़िंदगी कहते है।

प्रामाणिक, मुखर और ज़िंदादिल बनकर नग्में सी गुनगुनाते ज़िंदगी को सहज बनाना चाहिए। ज़िंदगी हमें बहुत कुछ देती है खुशियाँ, गम, अनुभव, आँसू, पीड़ा, अफ़सोस, ओर नासूर से खून टपकते घाव इन सबको अपने संतान समझकर अपना लो। मजबूर कर दो ज़िंदगी को इतना की ज़िंदगी खुद आपको जिए।

चटपटे चाट सी अर्थसभर ज़िंदगी जिओ वरना बेमतलब सी गुमनाम ज़िंदगी जीने का अर्थ ही क्या है ज़िंदगी की दावत पर जन्म ले ही लिया है तो क्यूँ ना उसके हर जायके की लज़्ज़त ली जाएं।।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु) भावु

*** शब्द ***

शब्द भी क्या शब्द है
जिसमें भरी है शक्तियां,
वे अगर महका करें तो
नेहा मन में भरते हैं,
और वे बहका करें तो
घाव दिल में करते हैं।
हम भी करते हैं निवेदन
अपने शब्दों में तुम्हें,
थोड़ा अपनापन मिलाना
और थोड़ी नम्रता
पल में थम जाएगा इंसा
भाव तेरे देखकर ।
कुछ नहीं दुनिया में है
बस प्रेम भाव ही तो है
यह अमर बूटी है जो
सदियों तक आगे जाएगी,
और इंसा के लबों पर
ये सदा मुस्काएगी।
हम भीअपने शब्दों में
शहद मिश्री घोल लें,
प्रेम के दो बोल मीठे
इस जहां से बोल लें,
आपस में मिलते रहे
ना मुस्कुराना छोड़ दें,
आज हम संकल्प ले
और तार दिल के जोड़ दें।
मन की सारी कामना को बस उसी पर वार दें
टूटती सांसों के अधरों
पर खुशी की धार दे ।

कार्तिकेय त्रिपाठी राम
गांधीनगर इन्दौर

चिड़िया का संदेश

इतना छोटा बना घोंसला,
इसमें तुम कैसे रहती हो।
इसमें जगह कहां है चिड़िया,
जिसको अपना घर कहती हो।

कहां तुम्हारा शयन कक्ष है,
कहां तुम्हारा बैठक खाना।
यह भी तो बतला दो चिड़िया
कहां बनाती हो तुम खाना।

बेटे-बहू तुम्हारे होंगे,
उनके कमरे कहां-कहां हैं।
ब्याह किए होंगे बिटियों के,
पते बताओ जहां-जहां हैं।

नाती-पोते साथ तुम्हारे,
रहते हैं या अलग-अलग हैं।
सेवा करते कभी तुम्हारी,
बोलो उनके क्या रंग-ढंग हैं।

बातें सुनकर चिड़िया रानी,
खूब हंसी, हंसकर मुस्काई।
बोली अरे अक्ल के दुश्मन,
दुनिया तुमको समझ न आई।

हम पंछी तो एक नीड़ में,
दुनिया नई बसा लेते हैं।
वही हमारे बैठक खाने,
भोजन कक्ष वहीं होते हैं।

अपना-अपना काम हम सभी,
अपने हाथों से करते हैं।
छोटे से छोटे बच्चे भी,
अपने पर निर्भर रहते हैं।

नहीं जोड़ते दाना-पानी,
न ही बंगले-महल बनाते।
न नुकसान-नफे के हमको,
कोई भी दु:ख-दर्द सताते।

नहीं बुढ़ापा हमको आता,
कभी नहीं बीमार पड़े हम।
किसी डॉक्टर किसी वैद्य के,
यहां कभी भी नहीं गए हम।

यह सारा संसार हमारा,
धरती सारा अपना घर है।
यह तन तो नश्वर है भाई,
एक आत्मा अजर-अमर है।

आकाशवाणी वरिष्ठ श्रोता छैलाराम मेघवाल
गांव मेलाणा तहसील बावड़ी जिला जोधपुर।

आना और जाना

जीवन का सत्य हैं,
तुम्हारे चाहने या ना चाहने से
बंधन नहीं लगता हैं,
दिन भी गुजरते, शामें भी आती
और रातें भी कटती हैं।

एक-एक दिन करके
उम्र भी बस गुजरने लगती हैं,
सफर में चलते चलते
जब कोई राहगीर साथ आ जाए,
कदम से कदम मिलाकर
चलने लगे
बिना कुछ कहे, नि:स्वार्थ मन से,
और एक मोड़ पर तुम्हें रोककर पूछे
क्या हम आगे का सफर मिलकर चलें??
रास्ता लंबा हैं,
और जाना एक ही रास्ते से हैं,
जब मंजिल भी एक ही हैं
हम दोनों की,
तो क्यों भटके? क्यों तन्हा तन्हा चले?
तब आपाधापी में भागने की बजाए
थोड़ा थम जाना और कुछ फैसला ले लेना
ज़रा सोचना,गौर कर लेना
क्या पता वहीं तुम्हारा हमसफर हो?
और वही मोहब्बत की % सार्थक % मंजिल
भी...!!

दिव्या सक्सेना कलम वाली दीदी
ग्वालियर मध्य प्रदेश

वक्त और हालात के साथ

शौक तो बदल जाते है
जोश ओर बेहोशी का फ़र्क़ बस इतना है
जवानी ग़र ठान ले तो जीवन बदल जाते है
नाम छोटा दिल बड़ा रखना ए मेरे दोस्त
नाम होते ही चेहरे बदल जाते है
सम्भव को वो ही पाते है
जो असमभव से भी आगे निकल जाते है
यें मर्यादा?
ये सीमाये?
यह रस्में?
औरो के लिए
अपने पर आए तो क़ानून बदल जाते है
कुछ भी एक जैसा नही रहता
वक्त अपने पे आए तो युग बदल जाते है
सब एक जैसा लिखते है ए पायल
पर हर बात के मतलब कुछ ओर निकल जाते है
वो दोस्त मेरी नजर में बहुत माएने रखते है,
जो वक्त आने पर बदल जाते है
जीवन एक यात्रा है बस उस तक जाना है
मृत्यु के बाद तो चोले बदल जाते है

पायल बेदी
अंबाला

*हिन्दी *

रसों से है मधुर हिन्दी, अलंकारों से सज्जित है।
गुणों से मन सँवारे है, समूचे विश्व गर्वित है।
वतन की एकता की डोर हिन्दी के ही हाथों में।
सदा माँ की तरह हम भारतीयों से ये पूजित है।

स्वयं हिन्दी ये पौधा है, विविध बोली सुमन इसके।
बड़ी स्पष्ट भाषा व्याकरण सुंदर वसन इसके।
उचारे जीभ हिन्दी तो सहज अपनत्व सा झलके।।
हृदय हम भारतीयों के अलंकारित सदन इसके।

दिलों की धड़कनें श्वासें बसी हैं भाषा हिन्दी में।
हमारे राष्ट्र का गौरव रचा इतिहास हिन्दी में।
जियें हम बोलते हिन्दी इसी में हम समा जाऐं।
न केवल राष्ट्र भाषा यह हमारे प्राण हिन्दी में।

विश्व पटल पर सम्मानित हो , अपना मान बढ़ाती है।
भारत से परदेशों तक के, मन को खूब लुभाती है।
कार्यालय के कामकाज सब ,करती अंग्रेजी दासी।
हिन्दी तो माता है अपनी, हृदय बिठायी जाती है।

अंकित शर्मा
इषुप्रिय रामपुर कलाँ सबलगढ़ मुरैना
(म.प्र.) मो 9516113124

फिर इंसान केसै?

लोभ, लालच, ईर्ष्यों से परिपूर्ण यह इंसान,
फिर इंसान केसै?
पारिवारिक दायित्वों से गिरता यह इंसान,
फिर इंसान केसै?
निजहित स्वार्थ तले दबता यह इंसान,
फिर इंसान केसै?
निमित्त उद्देश्य को भूलता यह इंसान,
फिर इंसान केसै?
निरपराध जानवरों का करता कत्ल यह इंसान,
फिर इंसान केसै?

नाम-दिनेश प्रजापत दिन
गांव-मूली, जालौर

कोरोना का प्रभाव

विश्व करुण क्रन्दमय है,
हा हा कार मचा है जग मे।
लगता युद्ध तीसरा
है,
प्रकृति का प्रतिकार है
रग-रग मे।।
अति व्याकुल है निज वतन,
इस महामारी के प्रकोप
से।
यह धरा निर्जन हो रहा है, प्रकृतिक के
कोप से।।
इस समर में जीतने की शक्ति बनाना है,
बचना है इस कहर
से।
निज जीवन जीने
का,
सकारात्मक सोच अपनाना है।।
अति प्रचण्ड महामारी
से,
मरहम नही लगा घावो
में।
व्यथित वेदना जीवन
की,
जीवन बीता अभाव
में।।
लाखो जान गई कुर्बानी से,
इस तण्डव से विश्व काँप रहा है। इस
महामारी के भीषण ज्वाला से,
देश सुरक्षा माँग रहा
है।।
बाहर नही निकलना
है,
विनती करो निज सदन में।
सुखमय जीवन जीना है,
कसक न हो तनिक इस तन मे।।

पाठ का नाम-कोरोना का प्रभाव

स्वरचित कविता
देबीदीन चन्द्वँशी
तह. पुष्पराजगढ़
जिला अनूपपुर
म0प्र0
अतिथि शिक्षक

शांति

एक राजा था जिसे चित्रकला से बहुत प्रेम था। एक बार उसने घोषणा की कि जो कोई भी चित्रकार उसे एक ऐसा चित्र बना कर देगा जो शांति को दर्शाता हो तो वह उसे मुँह माँगा पुरस्कार देगा।

निर्णय वाले दिन एक से बढ़ कर एक चित्रकार पुरस्कार जीतने की लालसा से अपने-अपने चित्र लेकर राजा के महल पहुँचे। राजा ने एक-एक करके सभी चित्रों को देखा और उनमें से दो चित्रों को अलग रखवा दिया। अब इन्ही दोनों में से एक को पुरस्कार के लिए चुना जाना था।

पहला चित्र एक अति सुंदर शांत झील का था। उस झील का पानी इतना स्वच्छ था कि उसके अंदर की सतह तक दिखाई दे रही थी। और उसके आस-पास विद्यमान हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान था जिसमें रुई के गोलों के सामान सफ़ेद बादल तैर रहे थे। जो कोई भी इस चित्र को देखता उसको यही लगता कि शांति को दर्शाने के लिए इससे अच्छा कोई चित्र हो ही नहीं सकता। वास्तव में यही शांति का एक मात्र प्रतीक है।

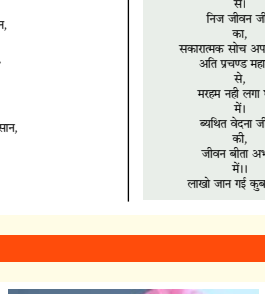

दूसरे चित्र में भी पहाड़ थे, परंतु वे बिलकुल सूखे, बेजान, वीरान थे और इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमें बिजलियाँ चमक रहीं थींज्घनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थीज तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थेज और पहाड़ी के एक ओर स्थित

झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। जो कोई भी इस चित्र को देखता यही सोचता कि भला इसका 'शांति' से क्या लेना देनाज इसमें तो बस अशांति ही अशांति है। सभी आश्वस्त थे कि पहले चित्र बनाने वाले चित्रकार को ही पुरस्कार मिलेगा। तभी राजा अपने सिंहासन से उठे और घोषणा की कि दूसरा चित्र बनाने वाले चित्रकार को वह मुँह माँगा पुरस्कार देंगे। हर कोई आश्चर्य में था!

पहले चित्रकार से रहा नहीं गया, वह बोला, ÷लेकिन महाराज उस चित्र में ऐसा क्या है जो आपने उसे पुरस्कार देने का फैसला लियाज जबकि हर कोई यही कह रहा है कि मेरा चित्र ही शांति को दर्शाने के लिए सर्वश्रेष्ठ है?÷

÷आओ मेरे साथ!÷, राजा ने पहले चित्रकार को अपने साथ चलने के लिए कहा।दूसरे चित्र के समक्ष पहुँच कर राजा बोले, ÷झरने के बायीं ओर हवा से एक ओर झुके इस वृक्ष को देखो। उसकी डाली पर बने उस घोंसले को देखोज्देखो कैसे एक चिड़िया इतनी कोमलता से, इतने शांत भाव व प्रेमपूर्वक अपने बच्चों को भोजन करा रही हैज्÷

फिर राजा ने वहाँ उपस्थित सभी लोगों को समझाया, ÷शांत होने का अर्थ यह नहीं है कि आप ऐसी स्थिति में हों जहाँ कोई शोर नहीं होज्कोई समस्या नहीं होज जहाँ कड़ी मेहनत नहीं होज जहाँ आपकी परीक्षा नहीं होज शांत होने का सही अर्थ है कि आप हर तरह की अव्यवस्था, अशांति, अराजकता के बीच हों और फिर भी आप शांत रहें, अपने काम पर केंद्रित रहेंज अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें।÷

अब सभी समझ चुके थे कि दूसरे चित्र को राजा ने क्यों चुना है!÷

- सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम एमपी.

आत्मध्वनि

पृथ्वी से है सबकी सृष्टि,
जल से है सबकी वृद्धि,
आग करती सब राख,
वायु देती है श्वास,
आकाश करें अनुगृहित सबको
ज्योतिर्पुंज से हैं ऊर्जा सबको,
पंच तत्वों से बना ये देह,
पंच तत्वों में ही विलीन होता ये,
शाश्वत रहती हैं %आत्मा %,
मोक्ष पाने को आतुर जो,
भोग रही हैं, तड़प रही हैं
छटपटा रही हैं अथाह,
बार बार जन्म ले लेकर वो।
चाहत रखती एक ही बस
अनंत सागर में मिल जाने को.....!!

दिव्या सक्सेना
ग्वालियर

धरती पुत्र

सबसे पहले कृषक का सम्मान होना चाहिए।
अन्नदाता का धरा पर सदा मान होना चाहिए।
बहाकर पसीना अपना अन्न उपजाए,
जलती धूप में भी मेहनत करता जाए,
सिकन तक नहीं लाता अपने चेहरे पे,
ऐसे कर्मवीर पर अभिमान होना चाहिए।
अन्नदाता का धरा.....
जैसी मिले रूखी सुखी खा लेता है,

अभावों में ही जीवन गुजार देता है,
करता है नित कठोर श्रम खेतों में,
धरती माँ का यही श्रृंगार करता है,
ऐसे दानवीर का सदा
गुणगान होना चाहिए।
अन्नदाता का धरा........
जीवन भर करता रहता है संघर्ष किसान,
छुपाकर अपने गम दूसरों को देता है हर्ष किसान,
मेहनत से कभी मुख मोड़ता ही नहीं,
मिट्टी से निपजा कर सोना करता देश का उत्कर्ष किसान,
औरों से पहले धरापुत्र का ही जयगान होना चाहिए।
अन्नदाता का धरा.......
दाने दाने उगाकर सबका पेट भरते हैं,
फिर भी जाने क्यों सदा कृषक उपेक्षित रहते हैं,
जीवन कट नहीं सकता बिना अनाज कभी भी,
मगर किसान के अभाव किसी को नहीं सलते हैं,
हर मोड़ पर कृषक साथी संस्थान होना चाहिए।
अन्नदाता का धरा.......

ब्रह्मानंद गर्ग सुजल
जैसलमेर, राजस्थान।

पत्थर दिल इंसान...!

देख तेरे संसार की हालत,
कितना डोल गया ईमान।
भूखे की पीड़ा समझ सके न,
क्यों पत्थर दिल इंसान।
भूख के आगे बंधा हुआ,
जंजीरों से हाथ।
जिसका कोई नही हो जग में,
देता न कोई साथ।
भगवान भी देखकर कहता,
देखो धरती का शैतान।
फूलों की तरह जो कोमल था,
ऐ पत्थर दिल इंसान।
भूख मजबूरी की ख़ातिर,
पल पल सौदा का फ़रमान।
इंसान इन्सान की मज़बूरी,
न समझ सका इंसान।

पग पग जिसका मोल है होता,
जिसके बगैर कोई काम नही।
पैसा कोई भगवान नही पर,
भगवान से कोई कम नही।
छूमंतर की दुनिया मे,
चमत्कार का है ये जाल।
सीधे जो है जलेबी जैसा,
बन जाता जी का जंजाल।
जो ग़रीब का ग़रीब है,
जो मालामाल का माल।
आज युग मे पैसे बोले,
बिन रुपये का कंगाल।
पैसे से भगवान को तौले,
कितना डोल गया ईमान।
भूखे की पीड़ा समझ सके न,
क्यों पत्थर दिल इंसान।
आसमाँ की बुलन्दी को,
मजदूरों ने दिया अंजाम।
दो वक्त की नशीब न रोटी,
फिरभी करते है ये काम।
खुलेआम लूट पाट हो रहा,
रोक सके न भगवान।
महंगाई की चरम सीमा पर,
कितना डोल गया ईमान।
भूखे की पीड़ा समझ सके न,
क्यो पत्थर दिल इंसान।
बेईमानी का सौदा होता,
आँखों बीच बाज़ार।
ग़रीबी की हक छिनने को,
कतार में खड़े हज़ार।
उनकी हालत कौन बताये,
किससे करे अब गुहार।
शपत लिया मातृभूमि की,
बन गया जो सेवक रक्षक।
खुद की घर मे डाका डाले,
बन बैठा देश का भक्षक।
देख तेरे संसार की हालत,
कितना डोल गया ईमान।
भूखे की पीड़ा समझ सके न,
क्यों पत्थर दिल इंसान।

दिब्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा छत्तीसगढ़

चंबल संभाग की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी - केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर

चंबल अटल प्रोग्रेस-वे बनने से इस क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे - मुख्यमंत्री

दिमनी विधानसभा क्षेत्र में महाविद्यालय खोलने की घोषणा

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे बनने से इस क्षेत्र का विकास तेजी से होगा और बड़ी संख्या में उद्योग धंधे खुलेंगे, जिससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे से क्षेत्र का चहुमुखी विकास होगा। इससे कृषि, उद्योग, शिक्षा एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रतीरामपुरा में आमसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 88 करोड़ से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। समारोह में केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, कृषि राज्यमंत्री श्री गिर्राज डण्डोतिया, जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती गीता हर्षाना, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री योगेशपाल गुप्ता, पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना, पूर्व मंत्री श्री मुंशी लाल, पूर्व विधायक श्री गजराज सिंह एवं पूर्व महापौरी श्री अशोक अर्गल, कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया सहित जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में दिमनी विधानसभा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी जितनी गर्मी पड़ रही है, उससे अधिक गर्मी मुरैना एवं भिण्ड जिलों के युवाओं के खून में होती है। चंबल क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा करते है। वे लड़ाई के समय दुश्मन की छाती छलनी कर देते है। इसलिये हमारे देश की तरफकोई आंख उठाकर नहीं देख सकता है। यदि किसी ने गलत हरकत की तो उसका सेना ने मुंह थोड़ जबाव दिया है। उन्होंने कहा कि चंबल की माटी में जन्में मुरैना जिले के ग्राम बरबाई निवासी शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में अंग्रेजों को सबक सिखाया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निकट भविष्य में प्रदेश में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में भर्ती होगी। सरकार ने निर्णय लिया है कि अब नौकरी में मध्यप्रदेश के ही युवाओं की भर्ती की जायेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया था, इन्हीं योजनाओं को वर्तमान सरकार ने पुनः शुरू किया है। जिसमें संबल योजना, तीर्थ दर्शन योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं अन्य योजनायें शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में जो भी बिजली के बिल आयें है, उनका भुगतान सरकार करेगी। उपभोक्ताओं को चालू माह से बिल भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवारों को पात्रता पर्ची दी जायेगी। जिसके माध्यम से 1 रूपये किलो गेहूं दिया जायेगा। ताकि प्रदेश में कोई गरीब भूखा न रहे। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित करें जिले में कोई पात्र व्यक्ति गेहूं से वंचित न रहे। पथ विक्रेताओं के संबंध में उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में बिना ब्याज के 10 हजार रूपये का ऋण सरकार दे रही है। इसी प्रकार की सहायता ग्रामीण क्षेत्रों में भी पथ विक्रेताओं के लिये लागू की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों के कल्याण के लिये शीघ्र ही सरकार द्वारा उनके खाते में फसल बीमा की 4 हजार 600 करोड़ रूपये की राशि डाली जायेगी। मुख्यमंत्री ने ग्राम दिमनी में महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। साथ ही दिमनी में ही खेल मैदान एवं मुरैना जिले में सैनिक स्कूल खोलने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि दिमनी विधानसभा क्षेत्र के हर घर में अगले 3 वर्ष में नलजल योजना के द्वारा पानी पहुंचाया जायेगा। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 88 करोड़ से अधिक के कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण के लिये क्षेत्र की जनता को बधाई दी एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सरकार ने जनता का ध्यान रखा है और विकास कार्यों को इतनी जल्दी स्वीकृत किया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी तथा अब विकास का पहिया थमने नहीं देंगे। श्री तोमर ने कहा कि आने वाले दिनों में घर-घर में बिजली एवं नलजल योजना के माध्यम से शुद्ध पानी पहुंचाया जायेगा। श्री तोमर ने कहा कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे के निर्माण के लिये केन्द्र सरकार ने 8 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इस वे के बन जाने से क्षेत्र की तकदीर एवं तस्वीर बदल जायेगी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रगतिशील सरकार है। उन्होंने कहा कि जनता को न्याय व सम्मान दिलाने के लिये उन्होंने वर्तमान सरकार बनाने में साथ दिया है। उन्होंने कहा कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे का निर्माण इटावा से होकर राजस्थान के कोटा शहर तक होगा। यह केवल सड़क ही नहीं है, इससे चंबल क्षेत्र के संपूर्ण विकास को गति मिलेगी। कृषि राज्यमंत्री श्री गिर्राज डण्डोतिया ने स्वागत भाषण देते हुये कहा कि दिमनी क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की जनता को आज जो सौगातें दी है, उससे क्षेत्र का संपूर्ण विकास होगा। कार्यक्रम के अन्त में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत लाड़लियों को प्रमाणपत्र एवं अन्य योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये।

राशन दुकान से भी आरंभ होगा पात्रता पर्ची के आधार पर खाद्यान्न वितरण – मुख्यमंत्री चौहान

16 सितम्बर से मिलेगा 37 लाख हितग्राहियों को खाद्यान्न

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 16 सितम्बर से पात्रता पर्ची के आधार पर खाद्यान्न वितरण की प्रतीकात्मक शुरूआत प्रदेश की सभी राशन दुकानों से की जाए। जिला मुख्यालयों सहित सभी 25 हजार दुकानों पर कुछ लोगों को खाद्यान्न वितरण कर यह अभियान आरंभ हो। कार्यक्रम में कोरोना महामारी से बचाव की सभी सावधानियों का आवश्यक रूप से पालन किया जाए। कार्यक्रम आयोजन में ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों का भी सहयोग सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह निर्देश मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। उल्लेखनीय है कि खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम से प्रदेश के लगभग 11 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। संपूर्ण प्रदेश में यह कार्यक्रम 16 सितम्बर को प्रातरू 11.45 से आरंभ होगा। भोपाल में आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय कार्यक्रम फेसबुक, ट्विटर तथा समस्त क्षेत्रीय चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री फैज अहमद किदवई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इन कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण हुआ

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिमनी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम रतीरामपुरा में 4 करोड़ 33 लाख रूपये की लागत से इमलिया से रामपुर मार्ग व्हाया तिघरा मार्ग, 2 करोड़ 81 लाख रूपये की लागत से रानपुर से सिरमौर का पुरा, 1 करोड़ 89 लाख रूपये की लागत से लहर से पतारा मार्ग, 1 करोड़ 80 लाख रूपये की लागत से रामचरण के पुरा से सिकरौड़ी मार्ग, 1 करोड़ 53 लाख रूपये की लागत से रिठौरापुरा से बाग का पुरा, 1 करोड़ 51 लाख रूपये की लागत से पार्थ का पुरा से इटौरा मार्ग, 1 करोड़ 36 लाख रूपये की लागत से कटेलापुरा से बंरगवां मार्ग, 1 करोड़ 4 लाख रूपये की लागत से गोपी रोड़ से मनफूल का पुरा, 94 लाख रूपये की लागत से धीरबल के पुरा से गिला पुरा, 94 लाख रूपये की लागत से बिरेहरूआ मार्ग से भोलाराम का पुरा, 71 लाख रूपये की लागत से जग्गापुरा से मोरसेरवानी कल्लू का पुरा, 59 लाख रूपये की लागत से चंद पुरा से डब का पुरा, 6 करोड़ 60 लाख रूपये लागत से रामपुरगंज से पहावली मार्ग, रामपुर के पास क्वारी, 2 करोड़ 59 लाख रूपये की लागत से खेड़ामेवदा नलजल योजना, 1 करोड़ 55 लाख रूपये की लागत से नावली नलजल योजना, 34 करोड़ 82 लाख रूपये की लागत से अंबाह नगरीय क्षेत्र के नाले निर्माण एवं तालाबों का जीर्णोद्धार, 4 करोड़ 66 लाख रूपये की लागत से किसन पुर से लुखरिया मार्ग, 3 करोड़ रूपये की लागत से अंबाह के वार्ड क्रमांक 1,2,3 एवं 5 में तालाब निर्माण और 2 करोड़ 50 लाख रूपये की लागत से बड़ौखर में प्राचीन तालाब जीर्णोद्धार का भूमिपूजन किया। इसी प्रकार 8 करोड़ 66 लाख रूपये की लागत से ग्राम पंचायत काजीबसई, नगरा, बिरत्तोली, हरगवां रोड़ और 2 करोड़ 5 लाख रूपये की लागत से ग्राम पंचायत दिमनी, जखौना रोड़ का लोकार्पण किया।

फोटो निर्वाचन नामावली-2021 के संबंध में वीडियो कान्फ्रेंस 11 सितंबर को

मुरैना। फोटो निर्वाचन नामावली 2021 के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पुनरीक्षण के पूर्व प्रारंभिक गतिविधियों की तैयारी के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा 11 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक वीडियो कॉफ्रेन्स आयोजित की गई है। वीडियो कॉफ्रेन्स में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा समस्त कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से फोटो निर्वाचक नामावली 2021 के संबंध में चर्चा की जाएगी। वीडियो कॉफ्रेन्स में फोटो निर्वाचक नामावली 2021 के लिए मतदाता सूची, मतदान केन्द्र तथा निर्वाचन व्यय लेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके पश्चात प्रदेश के आगामी विधानसभा उप निर्वाचन वाले सभी 18 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से जिले में उप निर्वाचन के लिए तैयारियों पर एजेण्डा अनुसार समीक्षा की जाएगी।

हाई स्कूल व हायर सेकेण्ड्री की पूरक परीक्षाएं 14 से

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी, हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक एवं हाईस्कूल पूरक परीक्षा इस वर्ष 14 सितंबर से प्रारंभ होकर 22 सितंबर को समाप्त होगी। छात्रों की बैठक व्यवस्था कोविड-19 के तहत करने के निर्देश जारी किये जा चुके हैं। परीक्षा की लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए सभी 51 जिलों में जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इस वर्ष हाईस्कूल पूरक परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए 419 एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए 430 एवं हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक परीक्षा के लिए 58 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें हाईस्कूल पूरक परीक्षा में एक लाख 37 हजार 912 और हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा में एक लाख 21 हजार 645 एवं हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक पूरक परीक्षा के दो हजार 714 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। मंडल द्वारा संचालित हाईस्कूल, हायर सेकण्डरी, हायर सेकण्डरी व्यावसायिक, हाईस्कूल, हायर सेकण्डरी अंध, मूक, बधिर छात्रों की पूरक परीक्षा वर्ष 2020 के प्रवेश पत्र छात्र ्ण्उचइेमण्उचवदसपदमण्हवअण्पद से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रायोगिक विषय में पूरक पात्र छात्रों की परीक्षा उसी दिन प्रातः सैद्धांतिक प्रश्न-पत्र संपन्न होने के पश्चात अपरान्ह में केन्द्राध्यक्षों द्वारा संपादित की जाएगी। अतः छात्र सतत संबंधित केन्द्राध्यक्षों से संपर्क में रहें। परीक्षा की समय-सारिणी मंडल की वेबसाइड पर उपलब्ध है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक 16 सितम्बर को

मुरैना। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक 16 सितम्बर बुधवार को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में राजस्व प्रकरण का आर.सी.एम.एस. में दर्ज व निराकरण, राजस्व वसूली, नामान्तरण, अविवादित, विवादित, संपदा, सीमांकन, बंटवारा, अविवादित, विवादित, विभिन्न न्यायालयों, यथा सर्वोच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालयों में लबित वादों की स्थिति का 13 कॉलम का पत्रक, नजूल भू-भाटक, आरबीसी 6(4) के अन्तर्गत प्राकृतिक आपदा में राहत संबंधी जानकारी (सर्पदंश, अग्नि, बाढ़, ओलावृष्टि, सूखा), सीएम हेल्पाइन से संबंधित अद्यतन स्थिति, डायवर्सन की वसूली की स्थिति, नक्शा तरमीम की स्थिति, भू-अर्जन के प्रकरणों की स्थिति-रेल्वे, भूमि-आवंटन, डिजिटल जाति प्रमाण-पत्र और ब्रिस्क वसूली के संबंध में चर्चा की जायेगी।

भूमि स्वामी एवं बटाईदार हेतु मापदण्ड जारी

मुरैना। सामान्य तौर से कृषकों और भू-स्वामियों द्वारा अपनी भूमि अन्य व्यक्तियों को धन या फसल अंश के एवज में किराए पर भूमि का लेन-देन जिसे सामान्य तौर पर बटाई, सिकमी, अन्य स्थानीय नामो से जाना जाता है। ततसंबंध में मध्यप्रदेश भूमि स्वामी एवं बटाईदारो के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के अनुरूप भूमि बटाई पर दिए जाने की मान्यता प्रदान की गई है। अधिनियम भूमि स्वामी बटाईदार दोनो के हितो का संरक्षण करता है अब कोई भी भूमि स्वामी अपनी भूमि बटाई पर देने या किसी व्यक्ति द्वारा बटाई पर लेने की वैधानिकता तभी मानी जाएगी जब दोनो पक्षो के द्वारा मध्यप्रदेश भूमि स्वामी बटाईदारो के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के नियम चार के तहत अनुबंध निष्पादित किया हो और एक प्रति संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को उपलब्ध कराई हो। कोई भी बटाईदार, भूमि बटाई पर लेकर यदि वह फसल क्षति की देय राहत राशि, बीमा राशि और कृषि उपज का उपार्जन हेतु शासन द्वारा तभी स्वीकार माना जाएगा जब भूमि स्वामी और बटाईदार के मध्य उपरोक्त अधिनियम के अंतर्गत अनुबंध निष्पादित हुआ हो। विधिवत अनुबंध के अभाव में उपरोक्त हित लाभ दिया जाना संभव नही होगा। किसानों से आग्रह किया गया है कि हितवद्ध व्यक्ति उपरोक्त अधिनियम के तहत कार्यवाही करना सुनिश्चित करें जिससें भविष्य में विवाद पैदा नहीं हो।

पुलिस कार्मियो का वेतन ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग को लेकर युवक कांग्रेस ने एसडीएम के स्टेनो को सौंपा ज्ञापन

अम्बाह। पुलिस कार्मियो का वेतन ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग को लेकर बुधवार को ब्लॉक युवक कांग्रेस अम्बाह के कार्यकर्ताओं द्वारा एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर एसडीएम की अनुपस्थिति में उनके स्टेनो राजेश को ज्ञापन सौंपा,युवक कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष शेरा तोमर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेसी एसडीएम कार्यालय पहुँचे जहाँ उन्होनें एसडीएम राजीव समाधिया की अनुपस्थिति में उनके स्टेनो को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा, इस दौरान शेरा तोमर ने बताया कि कांस्टेबल पुलिस प्रशासन की मुख्य कड़ी है पुलिस कर्मी कोरोना काल हो या कोई त्योहार, हर समय अपनी ड्यूटी पर तैयार रहते हैं वर्तमान की महंगाई को देखते हुए उनका वेतन काफी कम है पुलिसकर्मी अपनी मांगों को लेकर न तो कोई संगठन बना सकते हैं और न ही कोई हड़ताल कर सकते ?हैं। वेतन कम होने के कारण पुलिस कार्मियो में अक्सर तनाव बना रहता है ऐसे में इनका वेतन ग्रेड पे 1900 से बढ़ाकर 2400 किया जाना चाहिए। क्योंकि कई प्रदेशों में पुलिस कर्मियों का 2400 ग्रेड पे लागू है अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में आवेदन देते समय शेरा तोमर के साथ वीरेंद्र परिहार, अतुल दुबे, बंटू शर्मा, रामू तोमर, पुष्पेंद्र समाधिया, छोटू शर्मा, अभिषेक कटारे, लोकेंद्र तोमर, संदीप तोमर सहित युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोरसा शहर एवं पोरसा ब्लॉक के विकास के लिए मैं वचनबद्ध हूं

पोरसा अस्पताल 50 बेड का एवं महाविद्यालय में बीएससी, बीकॉम ,एम ए ,एम एस सी, की कक्षाये तथा उसेद घाट के पुल का निर्माण शीघ्र शुरू होगा : शिवराज सिंह चोहान

पोरसा। कृषि उपज गल्ला मंडी समिति परिसर में आयोजित आम सभा को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय मंत्री व सांसद नरेंद्र सिंह तोमर राज सभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा संबोधित किया गया मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि और पोरसा शहर के विकास के लिए वचनबद्ध हूं और पोरसा में 50 बेड का अस्पताल शीघ्र बनाया जाएगा, कांग्रेस सरकार ने उसेद घाट के पुल का निर्माण रोक दिया था जिसे हमने टेंडर करके स्वीकृति प्रदान कर दी जो शीघ्र ही बनेगा कांग्रेस सरकार ने कफन के लिऐ जो ?5000 दिए जाते थे वह भी बंद कर दिए जिसे हम शुरू करेंगे गरीब को भरपेट भोजन मिले इसके लिए सभी पात्रों की परचीया बनवाई जा रही हैं 30,000 हितग्राही आज 1 किलो वाला गेहूं प्राप्त कर रहे हैं तीर्थ दर्शन यात्रा कन्यादान योजना सहित गरीबों के हित की कई योजनाएं चल रही थी जिन्हें कांग्रेस ने बंद कर दिया था जो हम शीघ्र ही शुरू कर रहे हैं 2003 से पहले मध्यप्रदेश में बिजली की समस्या थी जिसे हमने पिछले 15 साल में पूरी की है हम शीघ्र ही पुलिस की भर्तियां निकालेंगे यह से बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सके पिछली बार कांग्रेस ने बेरोजगारी भत्ता ?4000 देने की घोषणा की कांग्रेस ने किया सरकारी विभागों में भी भर्तियां निकाली जाएगी और शहर में सैनिक स्कूल खुलबांया जाएगा गरीब बच्चा जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है उसे उसकी फीस मध्य प्रदेश सरकार भरेगी अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देंगे लैपटॉप फिर से देगी कार्यक्रम में मौजूद डॉ योगेश पाल गुप्ता जिला अध्यक्ष , मुन्ना सिंह भदोरिया, गीता इंदर हर्षाना,पूर्व विधायकगण रघुराज कंसाना शिवमंगल तोमर कमलेश जाटव बंसी लाल जाटव कमलेश सुमन अन्नू गुप्ता , मुन्ना सिंह तोमर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता रामवीर सिंह तोमर राम सिंह तोमर सुरेंद्र सिंह तोमर अखिलेश शर्मा मोहर सिंह तोमर, बच्चूलाल गुप्ता, जिनेंश जैन साहिब सिंह तोमर राकेश उपाध्याय , कंचन चौहान धीरज पचौरी अवधेश राजोरिया आदि लोग मंचा सीन रहे।

बनी रहे कोमलता

नारी सौंदर्य को उजागर करने में शरीर के अन्य अंगों की अपेक्षा चेहरे की भूमिका अहम होती है। आभायुक्त और कमनीयता से परिपूर्ण चेहरे का अपना विशेष आकर्षण होता है, लेकिन किन्हीं कारणों से यदि चेहरे पर किसी प्रकार के दाग-धब्बे उभर आएं तो सारा सौंदर्य ही फीका पड़ जाता है। यही कारण है कि हर महिला इनसे बचना चाहती है, इसलिए बहुत जरूरी है कि कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें-

- काले धब्बों को मैल समझकर उन्हें अनावश्यक रगड़ें नहीं, अन्यथा त्वचा सिकुड़ने की संभावना रहेगी।
- अनावश्यक मानसिक तनाव तथा उपरोक्त अन्य मनोवैज्ञानिक विकारों से स्वयं को बचाएं और आवश्यक हो तो किसी मनोवैज्ञानिक की सलाह लें।
- संतुलित भोजन ग्रहण करें। विटामिन 'सी' पर्याप्त मात्रा में सेवन करें ताकि त्वचा साफ-सुथरी व कांतिवान बन सके। नींबू, संतरा, हरी सब्जियां, आंवला आदि का सेवन इस दृष्टि से उत्तम हैं।
- जहां तक संभव हो, मेकअप कम से कम करें तथा रात्रि को उसे अच्छी तरह साफ करना न भूलें।
- सोने से पूर्व आंखों के चारों ओर बादाम रोगन की हल्की-हल्की मालिश करें। मालिश नाक की ओर से आरंभ कर कान की ओर करें।
- चाय को पानी में उबालकर उसमें कॉटन का फाहा डुबोकर धीमी सिकाई करें।
- पोदीने की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें तथा उसका लेप प्रभावित स्थान पर करें। 20 मिनट बाद धो लें।
- झाइयां होने पर किसी हारमोन क्रीम या एंटीरिंकल क्रीम का प्रयोग करें। मुल्तानी मिट्टी में अंडे की सफेदी मिलाकर फेस पैक लगाने से भी लाभ पहुंचता है।

कोकोनट आयॅल से आए त्वचा में नर्मी

उम्र बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं की त्वचा का लचीलापन कम होता जाता है। त्वचा को पूरा पोषण न मिले तो लचीलापन घटने की रफ्तार और तेज हो जाती है। अपनी त्वचा का लचीलापन जाँचने के लिए इस आसन से टेस्ट की मदद लीजिए। त्वचा के किसी भी हिस्से को अँगूठे और एक उँगली के बीच पकड़ लें, ठीक वैसे जैसे आप किसी चोंटी को पकड़ती हैं। वैसे चेहरे की त्वचा पकड़ेंगी तो ज्यादा ठीक रहेगा क्योंकि यहाँ अहसास ज्यादा होता है। अब उसे खींच कर पाँच सेकंड तक थामे रहें फिर छोड़ दें।

स्किन को छोड़ने के बाद जितना ज्यादा समय उसे सामान्य होने में लगेगा समझ लीजिए यह उतनी ही सख्त है। लचीली स्किन बड़ी तेजी से सामान्य हो जाती है। जाहिर सी बात है अब आप परेशान हो गई होंगी कि अगर मेरी त्वचा सख्त है तो मैं क्या करूँ तो आपको बता दें कि गोले के तेल (कोकोनट आॅयल) में ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को लचीला बनाते हैं। यह एक बहुत बढ़िया मॉश्चराइजर होता है

ऑ-ग्रेटिन पोटैटोज

सामग्री: चार आलू उबले हुए, 2 टेबलस्पून बटर, 2 टेबलस्पून मैदा, 1 कप दूध, 1/4 कप ताजा क्रीम, चुटकीभर दालचीनी पाउडर, नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, 1 टेबलस्पून आलिव ऑयल, थोड़े-से हर्ब्स, आधा टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून चिली फ्लेक्स (लाल मिर्च)।

विधि: आलू के छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। एक पैन में आलिव ऑयल डालकर गर्म करें। आल डालकर सुनहरा भूरा होने तक फ्राई करें। इ पर नमक, काली मिर्च, हरी मिर्च औ हर्ब्स डालें। अच्छी तरह मिलाक एक तरफ रख दें। एक पैन में बटर गर्म करें। मैदा डालकर भून लें। दूध मिलाएं। थोड़ा गाढ़ा होने पर आंच से उता लें और ठंडा होने दें। अब इसमें क्रीम, नमक, काली मिर्च पाउडर, दालचीनी पाउडर मिला लें।

अब फ्राई किए हुए आलू को बेकिंग ट्रे में रखें और इस पर उपरोक्त व्हाइट सॉस डालें। ऊपर से चिली फ्लेक्स डालकर ओवन में 250 डिग्री सेंटीग्रेट पर 20 मिनट तक बेक करें।

मेकओवर से लाभ

- मेकओवर के जरिए हम स्वयं को न केवल बदलते समय के साथ बदल सकते हैं, बल्कि अपने ऊपरी स्टेट्स एवं लुक को भी औरों जैसा दिखा सकते हैं।
- जीवन जीने के लिए जरूरी है आत्मविश्वास और मेकओवर, जो हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है।
- जिन लोगों के रिश्तों में दरार लक्स के कारण आती है, ऐसी असामानता को दूर करता है मेकओवर।
- मेकओवर के जरिए हम अपनी उम्र कम और जवान दिखा सकते हैं।
- जो चीज हमें प्रकृति से जन्मजात नहीं मिली, उसको हम इच्छानुसार ठीक या बदलवा भी सकते हैं।
- जो लोग अपने लुक्स को लेकर दूसरों के ताने या किसी प्रकार की हीनता के शिकार हैं, उनके लिए मेकओवर एक अचूक उपाय है।
- बात भले ही अजीब हो, लेकिन यह सच है, समाज में कई लोग ऐसे भी हैं, जो अपनी पहचान यानी लिंग से संतुष्ट नहीं। वह अपनी मूल पहचान को बदलकर मेकओवर के जरिए खुद को नई पहचान भी दे सकते हैं।
- कई लोग ऐसे भी हैं जिनका हुलिया उनके काम या ओहदे से मेल नहीं खाता, जिसके कारण लोग उन्हें कम आंक लेते हैं या नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मेकओवर से इस समस्या से निपटा जा सकता है।
- बनने-संवरने का शौक सबको होता है, लेकिन समय, जरूरत और माहौल के अनुसार कब क्या पहना जाए? जिससे लोग हमारी तारीफ करें, मजाक न उड़ाए। यह सब मेकओवर से जाना जा सकता है।
- यदि आप विदेश जा रहे हैं तथा स्वयं को उस माहौल का हिस्सा बनाना चाहते हैं, तो मेकओवर आपके लिए भी मदद कर सकता है

ईंधन कैसे बचाएं?

गृहिणी यदि ईंधन बचाने में सक्षम है तो फिर उस घर की बचत को किसी की नजर नहीं लग सकती है। आइए देखें कैसे ईंधन बचाया जा सकता है।

- गैस चूल्हा या स्टोव तभी जलाएं जब खाना पकाने के लिए सभी जरूरी सामान अपने पास तैयार हो। इससे आपको ऐन वक्त पर मिर्च मसाले ढूंढने का झंझट नहीं करना पड़ेगा, अन्यथा उतनी देर जलती हुई आंच बेकार जाएगी।
- खाना पकाने के बर्तन साफ होने चाहिए, विशेषरूप से कुकर, क्योंकि इन की भीतरी दीवार पर आमतौर पर नमक की परत पाई जाती है जिससे ईंधन की खपत 10 प्रतिशत बढ़ सकती है।
- पकाने से पहले यदि दाल, चावल आदि को भिगों दें तो वे कम समय में ही पक जाते हैं, जिससे ईंधन की बचत होती है। नीचे से गोल पेंदी के बजाय समतल चौड़े छिछले बर्तन का प्रयोग करना चाहिए।
- खाना पकाने के लिए प्रेशर कुकर का प्रयोग सर्वोत्तम है। इस में खाना भाप से पकने के कारण विटामिन युक्त तो होता ही है, जल्दी भी पक जाता है। इसके अलग-अलग डब्बों का प्रयोग कर आप एकसाथ दो-तीन खाद्य पदार्थ बना सकती हैं।
- फ्रिज से निकले हुए ठंडे खाद्य पदार्थों को गैस चूल्हे या स्टोवपर रखने से पूर्व कुछ समय तक बाहर रखें, जिससे उन का तापक्रम कमरे के तापक्रम के बराबर हो जाए।
- खाना हमेशा छोटे बर्नर पर ही पकाएं। यह कम गैस या तेल खर्च करता है। इसकी सफाई करते रहना चाहिए,क्योंकि बर्नर पर जमी कालिख व स्टोव की बत्ती जलने पर सिरें पर इकट्ठा हुआ कार्बन ईंधन की खपत को बढ़ाता है।

हेल्थ प्लस

आयरन की कमी के कारण होती है थकान

शरीर में थकान का होना, दिमागी काम करने में परेशानी का होना, नाखूनों का सफेद पड़ना, थोड़ी सी भाग दौड़ करने पर सांस का फूलना, ये आपके शरीर में लौह तत्व की कमी के लक्षण हैं। ऐसा महसूस होने पर खून की जांच अवश्य और शीघ्र करवायें। यदि लौह तत्व निश्चित मात्रा से कम हैं तो डॉक्टर से सलाह लें और आयरन की कमी को कैसे पूरा किया जाये, इसकी पूरी जानकारी अवश्य लें। अक्सर स्त्रियां गर्भावस्था के दौरान और अधिक मासिक धर्म होने पर इसका शिकार हो जाती हैं इसलिए महिलाएं और बच्चे अधिक इस रोग से ग्रस्त होते हैं। बच्चों में यदि आयरन की कमी है तो ऐसे बच्चे स्वभाव में चिड़चिड़, सुस्त और पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं। खून में लौह का काम ऊर्जा पैदा करना होता है। इसकी कमी से शरीर में ऊर्जा नहीं बनती, इसलिए शरीर चुस्त नहीं रह पाता। विशेषज्ञों के अनुसार रक्त में जितना आयरन कम होगा, उतना शरीर और दिमाग कमजोर और शिथिल होता जाएगा। बच्चों के लिए बढ़ती उम्र में आयरन का बहुत महत्व होता है। ऐसे में अपने डॉक्टर स्वयं न बनें। डॉक्टर से परामर्श लेना अति अनिवार्य है। डॉक्टर आपको कितना आयरन दवा के रूप में लेना है और कितना खाद्य पदार्थों से लेना है, इसकी उचित जानकारी देगा।

खाद्य पदार्थों में सबसे अधिक आयरन हरी सब्जियों और सूखे मेवों में पाया जाता है। बहुत कम मात्रा में आयरन लोहे के बर्तनों में पके खाने में भी मिलता है पर यह अधिक लंबे समय तक खाना पड़ता है। सब्जियों में आप गहरे हरे रंग की सरसों, चौलाई और पालक से आयरन काफी मात्रा में ले सकते हैं। आलू, पत्तागोभी, गांठगोभी, टमाटर, गाजर, ये सब भी लौह तत्व के भंडार हैं। अंकुरित अनाज व दालें भी आयरन के सस्ते साधन हैं। चोकर सहित गेहूं का आटा, अंडे और सूखे मेवे भी आप ले सकते हैं।

आवश्यकता से अधिक कुछ भी लेना शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। अधिक मात्रा में आयरन लेने से आपके लीवर पर प्रभाव पड़ सकता है। शरीर में विटामिन सी की कमी हो सकती है। विटामिन सी की कमी नींबू, मौसमी, संतरे और आंवले से पूरी की जा सकती है। ताजे सलाद और फल भी इसमें सहायक होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार विटामिन सी की कमी से पीठ और जोड़ों में दर्द होने की संभावना बढ़ जाती है।

आयरन लेने से पूर्व डॉक्टर से पूरा परामर्श लें। जो लोग वजन कम करने के चक्कर में रहते हैं उनमें भी लौह की मात्रा कम हो जाती है। आयरन लेते समय कैल्शियम की मात्रा कम कर देनी चाहिए। आयरन और कैल्शियम एक साथ लेने से पाचन शक्ति कमजोर होने का खतरा रहता है क्योंकि इन दोनों को पचाने के लिए शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। कैल्शियम की अधिकता से आयरन बनने में काफी परेशानी होती है। जब भी उपरोक्त लक्षणों में से दो तीन लक्षण आपसे मिलते हैं तो खून की जांच और डॉक्टरी परामर्श अवश्य लें।

फल व सब्जियां देते हैं कैंसर से सुरक्षा

नवीनतम शोधों के अनुसार टमाटर में लाइकोपेन नामक एक फाइटोकैमिकल पाया जाता है जो कैंसर की संभावना को कम करता है। बैटा कैरोटीन और एल्फा कैरोटीन भी कैंसर से सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये गाजर, शकरकंदी व पालक में पाए जाते हैं। बंदगोभी और फूलगोभी में सल्फोरफेन नामक एक तत्व पाया जाता है जो कई प्रकार के कैंसर को कम करता है।

विशेषज्ञों का मानना है फलों व सब्जियों में पाए जाने वाले प्राकृतिक तत्व, विटामिन व मिनरल का संयोग कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है पर इस प्रभाव को विटामिन और मिनरल की गोलियों के सेवन से प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसलिए फलों व सब्जियों का सेवन कर इन तत्वों को प्राप्त करें।

दिन में दो बार प्रभावी स्थान पर लगाने से लाभ मिलता है।

- नारियल तेल में नींबू का रस मिलाकर उस स्थान पर लगायें।
- विटामिन सी का सेवन करने से एलर्जी का प्रभाव कम होता है।
- धूम्रपान करने से और शराब पीने से परहेज करें।
- पपीते के बीजों को नींबू रस के साथ पीसकर लगाने से भी आराम मिलता है।
- त्वचा के जिस भाग पर एलर्जी हो, वहां किसी भी तरह का कास्मेटिक प्रयोग न करें।
- एक बड़ा चम्मच खसखस के बीज, एक बड़ा चम्मच पानी, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस मिला कर अच्छी तरह ग्राइन्ड कर प्रभावी स्थान पर लगायें। इसके नियमित लगाने से खुजली और लाली में भी आराम मिलेगा।

गर्भवती हैं तो रखें डाइट का ध्यान

हर महिला के जीवन में गर्भावस्था एक ऐसा समय होता है जिस समय उसे न केवल अपना बल्कि अपने गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत का भी ध्यान रखना होता है ऐसे में थोड़ी सी असावधानी दोनों के स्वास्थ्य को बिगाड़ सकती है....

भारत गांवों का देश है। गांवों की महिलाओं को प्राय: इस बात का ज्ञान नहीं होता है कि उसके लिए संतुलित व सम्पूर्ण आहार क्या होता है ? सर्वेक्षणों से यह ज्ञात हुआ है कि गर्भकाल तथा स्तनपान कराने के दौरान मात्र पांच प्रतिशत महिलाओं को ही संतुलित आहार नसीब होता है। इसके पीछे अज्ञानता, पारिवारिक पृष्ठभूमि, पारंपरिक रूढ़िवादी मान्यताएं व सामाजिक वर्जनाएं तो जिम्मेदार होती ही हैं।

स्त्री एवं प्रसव रोग विशेषज्ञों के अनुसार गर्भस्थ महिला को खानपान एवं संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि उसी के माध्यम से गर्भस्थ शिशुओं को पोषण मिलता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्तनपान का भी सीधा प्रभाव नवजात शिशु के स्वस्थ्य पर पड़ता है। इस अवस्था में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन तथा विटामिन की आवश्यकता बढ़ जाती है क्योंकि मां सिर्फ अपने लिए ही भोजन न करके गर्भस्थ या दुग्धपान करने वाले शिशु के लिए भी आहार ग्रहण करती है। इस अवस्था में यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि स्वास्थ्य की दृष्टि मां का वजन न बढ़ने पाये। वजन वृद्धि स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक होती है। गर्भकाल में आहार क्या हो और कैसा हो, इसकी जानकारी प्रत्येक महिला को अवश्य ही होनी चाहिए। यह बात एकदम भ्रामक है कि केवल ऊंचे दामों वाली खाद्य सामग्रियों में ही पौष्टिक तत्व विद्यमान होते हैं जबकि सच्चाई यह है कि हर खाद्य सामग्री में आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं।

गर्भावस्था के दौरान दूध से बने खाद्य-पदार्थ नाश्ते एवं भोजन के रूप में लेना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इनमें प्रोटीन तथा कैल्शियम की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। इससे गर्भस्थ शिशु की हड्डी मजबूत होती है। प्रोटीन के लिए मांस, मछली, चीज तथा अंडे का नियमित सेवन भी आवश्यक है। ये मांसपेशियों तथा शारीरिक कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। मस्तिष्क के तंतुओं के निर्माण में भी ये अहम् भूमिका निभाते हैं। गेहूं, चावल, आलू, गुड़, चीनी आदि कार्बोहाइड्रेट वाली वस्तुओं का सेवन उतना ही करना चाहिए जितना शारीरिक ऊर्जा अर्थात् शक्ति को बनाये रखने के लिए जरूरी हो अन्यथा इससे मोटापा बढ़ने की तीव्र संभावना रहती है। अधिक वसा तथा चर्बीयुक्त भोजन से भी मोटापा बढ़ता है, साथ ही कई तरह की जटिलताएं व परेशानियां होने की संभावनाएं भी बनी रहती हैं। शाकाहारी महिलाओं को हरी सब्जी तथा सलाद का नियमित सेवन आवश्यक है। हरी सब्जी को थोड़ा उबालकर गरम-गरम खाने से अधिक लाभ होता है। ताजा फल नियमित रूप से लेना चाहिए। नारंगी, नाशपाती, टमाटर, केला, सेब, नींबू आदि में पर्याप्त विटामिन 'सी' पाया जाता है। विटामिन 'सी'तथा 'बी' का मुख्य कार्य त्वचा तथा मसूड़ों को स्वस्थ तथा मजबूत रखना होता है। गर्भवती को डाक्टरी सलाह पर आयरन, फोलिक एसिड तथा विटामिन की गोलियां भी लेते रहना चाहिए। इस दौरान मिठाइयां, चाकलेट, ग्लूकोज, जैम, शहद, केक, पेस्ट्रीज, बिस्कुट, ब्रेड आदि से परहेज करना चाहिए क्योंकि इनसे मोटापे में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त आइसक्रीम, जैली, शीतलपेय, काजू, किशमिश, अखरोट, डिब्बाबंद फलों के रस के सेवन से अखरोट, डिब्बाबंद फलों के रस के सेवन से भी गर्भवती को परहेज करना चाहिए। गर्भकाल में अंगूर, अनार, पपीता, लीची, सेब, मौसमी, नारंगी आदि का सेवन लाभदायक होता है। गर्भकाल मिथली नहीं होने पाती। रात में गुलकंद का मुरब्बा खाने से कब्ज की शिकायत नहीं रहती। पानी भरपूर मात्रा में पीते रहना आवश्यक है। गर्भावस्था में पैरों की सूजन, हाई ब्लड-प्रेशर आदि की शिकायत होते ही चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। गर्भ के अंतिम समय में फलों के रस की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। गर्भकाल में अनार के लाल दानों का सेवन स्वस्थ एवं गोरे शिशु को जन्म देने वाला होता है।

ऐसे करें त्वचा संबंधी रोगों का घरेलू उपचार

प्रदूषित वातावरण के कारण त्वचा की एलर्जी एक आम समस्या बनती जा रही है। बड़े शहरों के आस पास से कृषि भूमि को काट कर बड़े दफ्तर और बहुमंजिली इमारतें बनती जा रही हैं। आस पास हरियाली उन पर सरपट भागती कारें, बसें व ट्रक वातावरण को प्रदूषित बना रहे हैं। इस प्रदूषित वातावरण को देन है त्वचा एलर्जी। त्वचा एलर्जी को प्रारंभ से ही अनदेखा नहीं करना चाहिए नहीं तो यह रौद्र रूप धारण कर लेती है। प्रारंभ में त्वचा एलर्जी को घरेलू इलाज से भी रोका जा सकता है पर यदि यह कम न हो कर बढ़ रही हो तो त्वचा रोग विशेषज्ञ को दिखाकर इलाज कराना चाहिए।

- चंदन के पाउडर में कुछ नींबू का रस मिलाकर प्रभावी स्थान पर दिन में दो बार लगाएं। यह लेप कम से कम एक सप्ताह तक नियमित रूप से करें।
- बादाम के पत्तों को अच्छी तरह पीसकर

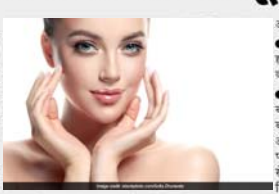

न्यूयार्क में बेलारुस की विक्टोरिया अजारेंका अमेरिकी ओपन टेनिस मुकाबले में रिटर्न शॉट लगाती हुई।

विराट से अभी मेरी तुलना ठीक नहीं - मलान

इसाउथेम्प्टन। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज डेविड मलान ने अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 के औसत से रन बनाये हैं। इसी शानदार प्रदर्शन के कारण उनकी तुलना टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली से भी होने लगी है पर मलान का कहना है कि अभी इसमें समय है। जब तक वह 50 मैच न खेल लें उनकी तुलना विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ी से करना ठीक नहीं है। तीसरे नंबर पर उतरने वाले मलान ने अब तक 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.71 के औसत से 682 रन बनाए हैं। इसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। मलान ने कहा, 'मैं जिस तरह का खिलाड़ी हूं, मुझे यह जानना पसंद है कि टीम में मेरी स्थिति क्या है इसलिए मैंने कहा था कि जब आप सीरीज में खेलते हो तो आपको पता होता है कि आपको क्या करना है।' उन्होंने कहा, 'भले ही आंकड़े कुछ कहते हों, पर मुझे नहीं लगता कि मैं विराट या अन्य अनुभवी खिलाड़ियों के करीब भी हूं। जब मैं 50 मैच खेल लूं तभी उनसे मेरी तुलना कुछ हद तक की जा सकती है।'मलान ने शुरुआत से ही शानदार बल्लेबाजी की है पर अभी तक वह टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। जिसको लेकर मलान का मानना है कि वह वही कर सकते हैं जो उनके बस में है और यह है अवसर मिलने पर ज्यादा से ज्यादा रन बनाना।मलान ने कहा, 'यह कठिन स्थिति है। हम सभी जानते हैं कि तीसरे क्रम पर खेलने वाले सभी खिलाड़ी कितने अच्छे हैं. पिछले चार-पांच वर्षों में उनका रिकॉर्ड शानदार है।

तीन साल बाद भी महिला पहलवानों को नहीं मिली ईनामी राशि

भिवानी। एक ओर तो खेल को बढ़ावा दिये जाने के दावे सरकार करती है। वहीं विडंबना यह है कि तीन साल बाद भी विजेताओं को घोषित इनामी राशि भी नहीं मिल पा रही है। महिला पहलवान नीतू व साक्षी ने साल 2017 व 2018 में गोहाटी व हंगरी में हुई विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीत कर देश का गौरव बढ़ाया था पर इन दोनो ही खिलाड़ियों के कोच का कहना है कि विश्व चैंपियन के लिए 20 लाख रुपये का जो ईनाम प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाता था वह भी आज तीन साल के बाद आधा ही दिया जा रहा है। नीतू व साक्षी का कहना है कि तीन साल बाद उनके 20-20 लाख रुपये ईनाम राशी स्वीकृत तो हुई पर अब एक महिने से भी ज्यादा समय से ईनामी राशी के चैक का भुगतान नहीं हो रहा है। वहीं इनके गुरू जगदीश ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने युवा वर्ग पुरस्कार राशी 20 लाख से घटा कर 10 कर दी। इसके बाद भी चैक का भुगतान नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि पूरा सिस्टम ऑनलाईन है, ऐसे में ऑनलाई का फायदा तो तब होता जब एक दो दिन में चैकों का भुगतान होता। उन्होंने कहा कि इससे सो ऑफलाईन सिस्टम बेहतर था. तय समय पर भुगतान तो होता था। कोच जगदीश ने बताया कहा कि देर से मिला न्याय व ईनाम भी अन्याय जैसा है।

अंपायर पर भड़के रसेल

नई दिल्ली। कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में जमैका थलावाज के आक्रामक बल्लेबाज आंद्रे रसेल को अंपायर के एक विवादित फैसले में आउट करार दिया गया जिसपर रसेन ने नाराजगी व्यक्त की है। जमैका थलावाज और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इस मैच के दौरान रसेल तब काफी गुस्से में आ गये जब उन्हें आउट दिया गया। आउट होने के बाद उन्होंने अंपायर के फैसले पर असहमति जताई और गुस्से में बल्ले को ही मैदान पर फेंक दिया। इस सेमीफाइनल मुकाबले में रसेल जब बल्लेबाजी करने आए तब आधी टीम की 63 रन पेवेलियन लौट गयी थी। टीम को उम्मीद थी कि रसेल लंबी पारी खेलेंगे पर ऐसा हो नहीं पाया। नाइट राइडर्स के स्पिनर सुनील नरेन की एक गेंद पर अंपायर ने उन्हें कैच आउट करार दिया जबकि रीप्ले में साफ दिखा कि गेंद और बल्ले के बीच कोई संपर्क हुआ ही नहीं। रसेल सेमीफाइनल में 5 गेंद पर केवल 2 ही रन बना पाए और उनकी टीम सिर्फ 107 रनों पर ही आउट हो गई। सीपीएल में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल नहीं हो रहा है। मैच की बात करें तो इस मैच में त्रिनबागो ने जीत के लिए मिले 108 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

प्रशासनिक बदहाली के कारण दक्षिण अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ : रोड्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जॉंटी रोड्स ने कहा है कि लंबे समय से चले आ रहे प्रशासनिक संकट से टीम के प्रदर्शन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। रोड्स के अनुसार क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) को वित्तीय परेशानियों के साथ ही अपने खिलाड़ियों के नस्ली भेदभाव के आरोपों को भी झेलना पड़ रहा है। सीएसए अध्यक्ष क्रिस नेनजानी ने पिछले महीने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वह सात साल तक इस पद पर रहे जिस दौरान उनपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगते रहे हैं। अब सीएसए के क्रिकेट निदेशक और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ से सभी को उम्मीदें हैं। रोड्स ने कहा, ''स्मिथ की पिछले कुछ समय से काफी आलोचना हो रही है लेकिन वह टीम का पहला कप्तान था जिसने 'टीम संस्कृति शिविर' कराया। '' इस अभियान में विनम्रता, लचीलापन, अनुकूलनशीलता, एकता और सम्मान के अलावा देश के दूत बनने पर ध्यान लगाया गया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के 30 पूर्व खिलाड़ियों ने नस्ली भेदभाव के आरोप लगाये हैं जिसमें एशवेल प्रिंस और मखाया एनटिनी शामिल हैं जिसके बाद पिछले महीने 32 खिलाड़ियों की राष्ट्रीय टीम का 'संस्कृति शिविर' लगाया गया था। रोड्स ने कहा, ''शीर्ष 30 खिलाड़ी खेल के लिये एक साथ काम करना चाहते हैं लेकिन प्रशासनिक तंत्र की असफलता का प्रभाव मैदान पर पड़ा है।''

आईपीएल में अधिक से अधिक भारतीय कोच देखना चाहते हैं कुंबले

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आठ फ्रेंचाइजी टीमों में केवल किंग्स इलेवन पंजाब की टीम का मुख्य कोच ही एक भारतीय खिलाड़ी है। वहीं अन्य सभी टीमों के कोच विदेशी हैं। किंग्स इलेवन के मुख्य कोच और पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने इसपर निराश जताते हुए कहा कि वह अधिक से अधिक भारतीय कोच देखना चाहते हैं। आईपीएल के अन्य कोच हैं। रिकी पॉन्टिंग (दिल्ली कैपिटल्स), ब्रैंडन मैक्कलम (कोलकाता नाइट राइडर्स), स्टीफन फ्लेमिंग (चेन्नई सुपरकिंग्स), महेला जयवर्धने (मुंबई इंडियंस), ट्रेवर बेलिस (सनराइजर्स हैदराबाद) साइमन कैटिच (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर) और एंड्रयू मैकडोनाल्ड (राजस्थान रॉयल्स)। कुंबले ने एक कार्यक्रम में कहा, %मैं आईपीएल में अधिक भारतीय कोच देखना चाहूंगा। मुख्य कोच के रूप में सिर्फ एक भारतीय का होना एक विडंबना है। मेरा मानना है कि आने वाले समय में भारतीय कोचों की संख्या अधिक होगी।% कुंबले ने कहा कि उनकी टीम जैव सुरक्षित महौल के कड़े नियमों का पालन करते हुए मानसिक और शारीरिक तौर पर अच्छी स्थिति में है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में भी हैं नस्लवाद : क्रिस्टियन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर डैन क्रिस्टियन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में भी नस्लवाद भरा हुआ है हालांकि वह नजर नहीं आता। पिछले कुछ समय से नस्लवाद के खिलाफ जारी अभियान 'ब्लैक लाइव्स मैटर' को लेकर क्रिस्टियन ने यह बात कही। क्रिस्टियन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, '' मुझे लगता है कि नस्लवाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में भी एक मुद्दा है।'' विश्व के अन्य जगहों पर ये नजर में आ जाता है पर ऑस्ट्रेलिया में नहीं पर यह है जरुर।'' उन्होंने कहा, '' यहां एक प्रकार का अनौपचारिक नस्लवाद ज्यादा होता है। यहां कई बातों से मजाक का पात्र बनाया जाता है। कई बातें मेरे लिये व्यक्तिगत रूप से, मेरे रंग को लेकर होती है और यह तथ्य कि मैं ऑस्ट्रेलियाई आदिवासी नहीं दिखता मेरे लिये सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात है।'

छह महीने बाद पेट्रोल सस्ता

मुंबई। तेल विपणन कंपनियां ने करीब छह महीने बाद पेट्रोल की कीमत में कटौती की है। डीजल के दाम में भी कटौती की गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल का मूल्य 9 पैसे कम होकर 81.99 रुपए प्रति लीटर रह गया। मुंबई में भी इसकी कीमत 9 पैसे घटकर 88.64 रुपए प्रति लीटर पर आ गई। कोलकाता और चेन्नई में इसके दाम में 8-8 पैसे की कटौती की गई। कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 83.49 रुपए का और चेन्नई में 84.96 रुपए का बिका। इस साल 16 मार्च के बाद पहली बार पेट्रोल की कीमत में कमी की गई है। तेल विपणन कंपनियां दैनिक आधार पर पेट्रोल-डीजल के मूल्य की समीक्षा करती हैं। डीजल के दाम दिल्ली और कोलकाता में 11-11 पैसे कम होकर क्रमश= 73.05 रुपए और 76.55 रुपए प्रति लीटर पर आ गए।

मजबूती के साथ खुले बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी ने तेजी के साथ शुरुआत की है। सेंसेक्स में करीब 225 अंकों की तेजी देखने को मिल रही है। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिडकैप शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.82 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज तेजी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.93 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।

बजाज डोमिनार 400 बाइक के दामों में हुई वृद्धि

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली अधिकांश कंपनियों ने अपने बाहनों की कीमतों में वृद्धि कर दी हैं। हालांकि, यह बढ़ोतरी ज्यादा नहीं रही है। हाल में हीरो स्प्लेंडर प्लस, टीवीएस स्कूटी पेप प्लस और टीवीएस नेट्रोक 125 स्कूटर पहले से महंगा हुआ है। अब एक और मोटरसाइकल के दाम बढ़ गए हैं। यह बीएस6 इंजन के साथ आने वाली बजाज की धांसू बाइक बजाज डोमिनार 400 है। हालांकि, बाइक के फीचर्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बजाज डोमिनार 400 बाइक की पहले कीमत 1,94,751 रुपये थी। अप्रैल 2020 में बीएस 6 मॉडल लॉन्च होने के बाद इस बाइक की कीमत में यह पहली बढ़ोतरी थी। अब इस बाइक की कीमत एक बार फिर बढ़ी है। बीएस6 इंजन वाली बजाज डोमिनार 400 बाइक की एक्स-शोरूम कीमत अब 1,96,258 रुपये हो गई है। यानी, बजाज की यह बाइक पहले के मुकाबले 1,507 रुपये महंगी हुई है।

बजाज डोमिनार 400 एक टूरिंग-ओरिएंटेड मोटरसाइकल है, जो कि राइडर को कंफर्ट के साथ कमांडिंग राइडिंग पोजिशन देती है। इसके अलावा, बजाज की इस बाइक में कई मॉडर्न फीचर दिए गए हैं। बाइक में फुल एलईडी लाइटिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और फ्यूल टैंक पर स्मॉल एलसीडी दी गई है। बजाज की इस पावरफुल बाइक में 373सीसी का सिंगल सिलिंडर, लिक्विड कूल्ड मोटर दिया गया है। बाइक में लगा इंजन 39.4बीएचपी का पावर और 35एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इस बाइक का वजन 187 किलोग्राम है। बाइक में 13 लीटर का फ्यूल टैंक है।

पुष्पांजली टुडे
शुक्रवार 11 सितम्बर 2020

प्रदेश सरकार चहुमुखी विकास के लिये कृतसंकल्पित - मुख्यमंत्री

अंबाह विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में 100 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात - केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर

चंबल अटल प्रोग्रेस-वे समुचित क्षेत्र के सुखद भविष्य की योजना - सिंधिया

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश के चहुमुखी विकास के लिये कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने जो योजनायें बंद की थी, वे सभी योजनायें सरकार पुन: शुरू करेगी। यह बात उन्होंने अंबाह विधानसभा क्षेत्र के पोरसा मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी में आमसभा को संबोधित करते हुये कही। केन्द्रीय कृषि एवं पंचायत मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि अंबाह विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि 100 करोड़ रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण एक साथ हुआ हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार विकास कार्यों में पीछे नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप सरकार काम करेगी। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि चंबल अंचल से गुजरने वाले साढ़े 8 हजार करोड़ रूपये की लागत से लगभग 450 किलोमीटर लंबे चंबल अटल प्रोग्रेस-वे से समुचित क्षेत्र के सुखद भविष्य की योजना है। यह प्रोग्रेस-वे उत्तरप्रदेश से राजस्थान को जोड़ेगा। इससे क्षेत्र में समृद्धि के नये आयाम प्रशस्त होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निकट भविष्य में प्रदेश में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में भर्ती होगी। सरकार ने निर्णय लिया है कि अब नौकरी में मध्यप्रदेश के ही युवाओं की भर्ती की जायेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया था, इन्हीं योजनाओं को वर्तमान सरकार ने पुन: शुरू किया है। जिसमें संबल योजना, तीर्थ दर्शन योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं अन्य योजनायें शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में जो भी बिजली के बिल आयें है, उनका भुगतान सरकार करेगी। उपभोक्ताओं को चालू माह से बिल भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवारों को पात्रता पर्ची दी जायेगी। जिसके माध्यम से 1 रूपये किलो गेहूं दिया जायेगा। ताकि प्रदेश में कोई गरीब भूखा न रहे। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित करें जिले में कोई पात्र व्यक्ति राशन से वंचित न रहे। पथ विक्रेताओं के संबंध में उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में बिना ब्याज के 10 हजार रूपये का ऋण सरकार दे रही है। इसी प्रकार की सहायता ग्रामीण क्षेत्रों में भी पथ विक्रेताओं के लिये लागू की गई है। उन्होंने बताया कि किसानों के कल्याण के लिये शीघ्र ही सरकार द्वारा उनके खाते में फसल बीमा की 4 हजार 600 करोड़ रूपये की राशि डाली जायेगी। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि अंबाह विधानसभा क्षेत्र लंबे समय से पिछड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुये कहा कि अंबाह विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने 100 करोड़ रूपये की लागत के कार्यें को भूमिपूजन और लोकार्पण किया है। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में सड़को का जाल बिछ जायेगा। हर क्षेत्र में पर्याप्त बिजली, घर-घर शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। श्री तोमर ने कहा कि आज सभी के आर्शीवाद से चौथी बार श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने है। उन्हीं की कृपा से आज अंबाह में 100 करोड़ की विकास की सौगात दी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जो भी कमी रह गई है। वह भी पूरी हो जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सरकार ने जनता का ध्यान रखा है और विकास को इतनी जल्दी से स्वीकृत किये है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यो में कहीं कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। अब विकास का पहिया थमने वाला नहीं है। श्री तोमर ने कहा कि आने वाले दिनों में घर-घर बिजली एवं नलजल योजनाओं के माध्यम से शुद्ध पानी पहुंचाया जायेगा। उन्होंने चंबल अटल प्रोग्रेस-वे का उल्लेख करते हुये कहा कि इस हाइवे का निर्माण पूर्ण हो जाने पर चंबल क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर बदल जायेगी। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने केन्द्र शासन की योजनाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि देश के प्रधानमंत्री हर समय किसानों के लिये चिंतित रहते है, उनका मकसद कृषि को फायदे का धंधा बनाना, किसान की आय कैसे दोगुनी हो, इस भरसक प्रयास किये जा रहे है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि गरीब सर्वहारा के लोंगो को छोटे-छोटे काम के लिये पथ विक्रेता योजना शुरू की है। इसके सुखद परिणाम परिलक्षित हो रहे है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे व्यवसासियों को 10-10 हजार रूपये का बगैर ब्याज का अनुदान केन्द्र सरकार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि 12 सितम्बर 2020 को प्रधानमंत्री देश के 2 लाख आवासहीन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास भेंट सकेंगे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रगतिशील सरकार है। उन्होंने कहा कि जनता को न्याय व सम्मान दिलाने के लिये उन्होंने वर्तमान में सरकार बनाने में साथ दिया है। उन्होंने कहा कि चंबल अटल प्रोग्रेस-वे से समुचित चंबल अंचल में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रारंभ में विधायक श्री कमलेश जाटव ने स्वागत भाषण देते हुये कहा कि अंबाह क्षेत्र की जनता को आज जो सौगात दी है, उससे क्षेत्र का संपूर्ण विकास होगा। कार्यक्रम के अन्त में प्रधानमंत्री श्री चौहान ने मौके पर 5 स्ट्रीट वेण्डर के हितग्राहियों को 10-10 हजार रूपये की राशि, 5 स्वसहायता समूहों को एक-एक लाख और कर्मकार मण्डल योजना के तहत 5 श्रमिकों की पुत्रियों के विवाह योजना के तहत 51-51 हजार रूपये, लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत 4 बच्चियों को और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में 5 लोंगो को 10-10 हजार रूपये की राशि देकर लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मौके पर रूअर बरबाई में संचालित स्कूल को अपग्रेड करने तथा स्कूल का नाम अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के नाम रखने की घोषणा की। उन्होंने बरबाई में अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के नाम भव्य संग्रहालय बनाने, मुख्यमंत्री ने अंबाह में संचालित स्नातक महाविद्यालय में अगले शिक्षा सत्र से स्नातकोत्तर कक्षायें प्रारंभ करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट कक्षायें संचालित होगी। उन्होंने अंबाह-पोरसा नगर पालिका के आसपास की पंचायतों को परिसीमन कराने घोषणा की।

नई शिक्षा नीति में रिसर्च पर होगा अधिक फोकस

जेयू के टंडन हॉल में हुई मीटिंग में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने जेयू की उपलब्धियों, परिसर और स्पोर्ट ग्राउंड की तारीफ

ग्वालियर। नई शिक्षा नीति में रिसर्च पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। हमें समय और जरूरत के बीच तालमेल बनाना होगा। विश्वविद्यालय में तकनीकी का विकास सही तरह से हो सके, इसके लिए विवि और स्मार्ट सिटी के बीच कोलोबरेषन किया जाए, ताकि स्मार्ट सिटी के माध्यम से फंड की व्यवस्था हो सके। विश्वविद्यालयीन शिक्षकों की पेंशन संबंधी समस्या का निराकरण के लिए प्रयास करेंगे। इसके अलावा टीचिंग कोर्स के लिए एनओसी जल्द मिले, इसके लिए प्रयास करेंगे। कुल मिलाकर नई शिक्षा नीति में आने वाली चुनौतियों का सामना आप और हम मिलकर करेंगे। यह बात प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वह जीवाजी विश्वविद्यालय के टंडन हॉल में बैठक ले रहे थे। बैठक में जेयू की वीसी प्रो. संगीता शुक्ला ने प्रजेंटेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, रिसर्च और कार्यों के बारे में बताया। इसके लिए मंत्री डॉ. मोहन यादव ने जीवाजी विश्वविद्यालय की तारीफ की और कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जेयू की ओर से रेक्टर प्रो. डी डी अग्रवाल, डीसीडीसी डॉ. केशव सिंह चौहान, प्रभारी कुलसचिव डॉ. आई के मंसूरी, वित्त नियंत्रक सगीरा सिद्दीकी, कार्य परिषद सदस्य वीरेंद्र गुर्जर, अनूप अग्रवाल, डॉ. मुनेंद्र सोलंकी सहित विश्वविद्यालय के डीन मौजूद रहे। इसके अलावा राजा मानसिंह तोमर संगीत व कला विवि के अधिकारीगण भी मौजूद रहे। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आगामी दस सालों में संबद्धता व्यवस्था समाप्त हो जाएगी, इसलिए विश्वविद्यालय को अपने आर्थिक स्त्रोतों का सृजन स्वयं करने की ओर बढ़ना होगा, जिससे कि वे आत्म निर्भर बन सकें। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीआईएफ और स्पोर्ट ग्राउंड का निरीक्षण किया और जीवाजी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, परिसर और स्पोर्ट ग्राउंड की तारीफ की और कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला को धन्यवाद दिया। इसके अलावा उन्होंने बॉटनीकल गार्डन में पौधरोपण किया, जिसमें विभाग की ओर से हेड प्रो. एमके गुप्ता, प्रो. अविनाश तिवारी, डॉ. सुशील मंडेरिया और डॉ. सपन पटेल मौजूद रहे। इससे पहले डॉ. मोहन यादव ने लीड कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक ली।

यह भी कहा -

- कॉलेजेज में छोटे- मोटे विकास के लिए कलेक्टर को प्रपोजल देकर किसी भी सरकारी एजेंसी से कार्य करा सकते हैं।
- आत्म निर्भर भारत की दिशा में कदम उठाने होंगे। इसके लिए सेल्फ फाइनेंस पर नए डिप्लोमा या अन्य कोर्स की शुरूआत कर सकते हैं।
- आने वाले 20 सालों में कॉलेजों को प्रमोट करने की दिशा में काम करने के लिए मास्टर प्लान पर कार्य करना होगा। यह कार्य 5- 5 साल की चार स्टेज में होना चाहिए।
- कॉलेज में विकास के लिए विधायक या सांसद निधि से भी मदद ले सकते हैं।
- साइंस के छात्रों को रिसर्च के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए उन्हें शैक्षणिक टूर कराएं।
- जिला व संभाग लेवल पर विज्ञान सम्मेलन आयोजित करा सकते हैं।

भारत युवाओं का देश, अपने जीवन को वेहतर बनाने के लिये खुद को फिट रखना आवश्यक: डॉ0 पाण्डेय

ग्वालियर । जीवन में फिटनिस को अगर अपना लक्ष्य बनाले तो जीवन उसी के मुताविक ढलना शुरू हो जाता है वैसी ही दिनचर्या बन जायेगी। सफलता के लिये फिट होना भी पहली जरूरत है। दुनिया के सफल लोगो में यही बात सबसे कॉमन है यह बात फिट इंडिया अभियान कार्यक्रम में डॉ. संजय पाण्डेय ने कही। फिटनिस का लक्ष्य कैसे हासिल करना है इसे युवा छात्रों से सिखना चाहिये जैसे परीक्षा के पूर्व सर्वश्रेष्ठ अंक लाने का लक्ष्य पहले ही तय हो जाता है और दिनभर का दिनचर्या अपने आप बदल जाती है। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाइ द्वारा फिट इंडिया अभियान का कार्यक्रम वरिष्ठकार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय के नेतृत्व किया गया। फिट इंडिया मूमेन्ट कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं ने व्यायाम को सफलता का आधार माना। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि एक फिट बॉडी ही आपको सफलता की ओर ले जाती है। विश्व के कई देश इस तरह के प्रयास कर रहे है सफलता का कोई एलीवेटर नहीं होता, सीढ़ी पर चढ़ने के लिये कदम उठाने ही पड़ते है सफलता और फिटनिस का अटूट रिश्ता है दोनो एक दूसरे से जुडे होते है। सभी व्यस्ता के बाद भी समय निकाल लेते है जिससे सफलता प्राप्त हो जाती है। यदि आप अपने जीवन को वैहतर बनाना चाहते है तो उसके लिये जरूरी है खुद को फिट रखना लेकिन आज कल की भाग दौड़ की जिन्दगी में लोगो को खुद को ही फिट रखने के लिये समय नहीं होता है। युवा यदि चाहे तो अपना जीवन वेहतर तरीके से जी सकते है। इस प्रकार फिट इंडिया अभियान से जुड़ी जागरूकता जानकारी स्वयं सेवकों व आम जनता तक पहुचाई जा रही है।

अंश प्रताप सिंह भदोरिया
को जन्मदिन की शुभकामनाएं
हैप्पी बर्थडे
11 सितम्बर

पुष्पांजली
दैनिक पुष्पांजली टुडे परिवार की ओर से जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल पूरक परीक्षा 14 सितंबर से

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हायर सेकेण्डरी/हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक एवं हाईस्कूल पूरक की परीक्षा 14 सितंबर से 22 सितंबर तक आयोजित की गई है। कोविड-19 संक्रमण के चलते विद्यार्थियों के लिये केन्द्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों के लिये सभी जिलों में जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इस वर्ष हाई स्कूल पूरक परीक्षा के लिए एक लाख 37 हजार 912 परीक्षार्थियों के लिये 419 एवं हायर सेकेण्डरी पूरक परीक्षा के एक लाख 21 हजार 645 परीक्षार्थियों के लिये 430 एवं हायर सेकण्डरी व्यावसायिक पूरक परीक्षा के 2 हजार 714 परीक्षार्थियों के लिये 58 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478